RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 29 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :57 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 49 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 'भारत-अमेरिका कृषि व्यापार : जोखिम और संतुलन की चुनौती

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 314 | गाजियाबाद, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

जन धन योजना ने दिया अपनी किस्मत संवारने का मौका: PM

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर गुरुवार को कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगश्त 2014 को हुई थी।

इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये श्री मोदी ने लिखा, ''जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है।

इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी।' वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है।

जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हश्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गईं। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, जो दिखाता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय तंत्र से जोड़ा गया है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जन धन योजना न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे सफल वित्तीय समावेशन पहलों में से एक रही है। निरंतर प्रयासों से हम बैंक खातों में लगभग पूर्णता प्राप्त कर चुके हैं और देश भर में बीमा और पेंशन कवरेज में निरंतर वृद्धि हुई है।उन्होंने बताया कि सरकार ने एक अभियान शुरू किया है जिसके तहत देश की 2.7 लाख ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक में कम से कम एक शिविर आयोजित कर उन पात्र व्यक्तियों की पहचान की जायेगी जो बैंकिंग सुविधा से वंचित हैं और जिनके जन धन खाते खुल सकते हैं।

इस अभियान का समापन 30 सितंबर को होगा। जन धन योजना की खास बात यह है कि इसे खोलते समय कोई पैसा जमा करना जरूरी नहीं होता और न ही कोई न्यूनतम मासिक राशि रखनी होती है। प्रत्येक खाते के साथ एक निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड आता है, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करता है, जिससे डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है।

खाता धारक 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा के भी पात्र हैं, जो आपात स्थिति में सुरक्षा प्रदान करती है।

पूरी तरह से केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) अनुपालन वाले जन धन खातों में शेष राशि या लेनदेन की राशि की कोई सीमा नहीं है। एक महीने में कम से कम चार बार निःशुल्क निकासी की अनुमति है, जिसमें मेट्रो एटीएम सहित किसी भी एटीएम से निकासी शामिल है।

जन धन योजना प्रत्यक्ष लाभ हश्तांतरण का आधार बन गयी है, जिससे सरकारी सब्सिडी और भुगतान का पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त वितरण संभव हुआ है।

इन खातों ने जन सुरक्षा योजनाओं-प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों को जीवन और दुर्घटना बीमा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेलवे बोर्ड चेयरमैन व सीईओ सतीश कुमार का कार्यकाल 1 वर्ष बढ़ा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के स्थापना अधिकारी कार्यालय द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति (एसीसी) ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) से सेवानिवृत्त सतीश कुमार के कार्यकाल विश्तार को मंजूरी दी है। वह 01 सितम्बर 2025 से एक वर्ष तक अनुबंध के आधार पर, मौजूदा शर्तों और नियमों पर कार्यरत रहेंगे या फिर अगले आदेश तक पद पर बने रहेंगे। कुमार वर्तमान में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। आदेश की प्रतियां प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई हैं।

कटिहार में छात्रों को कमरे में बंद करके पिटाई का एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, मांगा जवाब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के कटिहार जिले के हफलागंज में एक शिक्षक द्वारा स्कूली छात्रों को कमरे में बंद करके पीटने के प्रकरण का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में बिहार के मुख्य सचिव और कटिहार पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर मामले की विश्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी के अनुसार, आयोग को मीडिया रिपोर्ट्स से जानकारी मिली कि 21 अगश्त को कटिहार जिले में हफलागंज इलाके के एक सरकारी स्कूल में 18 छात्रों को कमरे में बंद करके पिटाई की गयी थी। इसके बाद कुछ अभिभावकों ने स्कूल जाकर इस घटना की शिकायत की। एनएचआरसी ने कहा कि यह घटना मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है, इसलिए इस पर कार्रवाई जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इस घटना के बाद 22 अगश्त को कई ग्रामीण स्कूल में इकट्ठा हुए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसको देखते हुए सभी पुरुष शिक्षक स्कूल छोड़कर भाग गए थे।

बॉम्बे उच्च न्यायालय में 14 अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 14 अधिवक्तताओं को बॉम्बे उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है। विधि और न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये नियुक्ति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद की गयी हैं। राष्ट्रपति ने जिन अधिवक्ताओं को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है उनमें सिद्धेश्वर सुंदरराव थोम्ब्रे, मेहरोज अशरफ खान पठान, रणजीतसिंह राजा भोंसले, नंदेश शंकरराव देशपांडे, अमित सत्यवान जामसंदेकर, आशीष सहदेव चव्हाण, संदेश दादासाहेब पाटिल, श्रीमती वैशाली निम्बाजीराव पाटिल-जाधव, आबासाहेब धर्मजी शिंदे, श्रीराम विनायक शिरसाट, हितेन शामराव वेनेगावकर, फरहान परवेज़ दुबाश, रजनीश रत्नाकर व्यास और राज दामोदर वाकोडे शामिल हैं।

बड़े औद्योगिक और श्रम सुधारों की ओर बढ़ रहा यूपी : योगी

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग है और औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधा की गारंटी सुनिश्चित करना भी जरुरी है।

श्री योगी ने गुरुवार को यहां एक उच्च श्तरीय बैठक में कहा " प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'श्रमेव जयते' के भाव को आत्मसात करते हुए हमें ऐसे सुधार करने होंगे, जो उद्यमियों और श्रमिकों; दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हों।"

मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार शीघ्र ही 'सुगम्य व्यापार (प्राविधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' लाने जा रही है। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा। इनमें जहाँ पहले कारावास की सज़ा का प्रावधान था, वहां अब अधिक आर्थिक दंड व प्रशासनिक कार्रवाई को वरीयता देने की योजना है। नए प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त कर, उनकी जगह पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू करना समय की मांग है।

बैठक में बताया गया कि इस विधेयक पर संबंधित 14 विभागों से राय ली गई है। अधिकांश विभाग सहमत हैं, जबकि कुछ ने आपत्तियाँ दर्ज कराई हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि आपत्तियों और सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए, जो उद्योग और श्रमिकों के हितों में संतुलित हो।

बैठक में श्रम कानूनों के सरलीकरण पर भी चर्चा हुई। प्रश्तावों में फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने, दुकानों व प्रतिष्ठानों के नियमों में व्यावहारिक बदलाव करने और महिलाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने जैसे कदम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए स्व-सत्यापन और थर्ड पार्टी ऑडिट की प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से जहां उद्योगों का बोझ कम होगा, वहीं श्रमिकों का हित भी सुरक्षित होगा।

सुधारों की शृंखला में 'निवेश मित्र 3.0' पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके तहत निवेशकों की आवेदन व अनुमोदन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और सुगम बनाया जाएगा। कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म, पैन-आधारित पहचान, स्मार्ट डैशबोर्ड, बहुभाषी सहायता और एआई चैटबॉट जैसी सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी और निवेशकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल का नया संस्करण शीघ्र ही लॉन्च किया जाए, जिससे ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को नई मजबूती मिलेगी।

जनसंख्या नियंत्रण पर तीन बच्चों की सीमा जरूरी : मोहन भागवत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और संतुलन समाज तथा राष्ट्र के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हर परिवार को अधिकतम तीन बच्चों तक सीमित रहना चाहिए ताकि जनसंख्या पर्याप्त और नियंत्रित बनी रहे।

डॉ. भागवत विज्ञान भवन में गुरुवार को तीन दिवसीय व्याख्यान शृंखला '100 वर्ष की संघ यात्रा : नए क्षितिज' के तीसरे दिन जिज्ञासा समाधान सत्र में प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केवल संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उसके पीछे का इरादा भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा, "जनसंख्या से ज्यादा इरादा क्या है, यह महत्वपूर्ण है। जनसंख्या में असमानता कभी-कभी गंभीर परिणाम देती है, यहां तक कि विभाजन जैसी परिस्थितियां भी पैदा कर सकती है। हमें इस पर गहराई से विचार करना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि भारत में जनसंख्या असंतुलन का एक कारण जबरन या लालच देकर किए गए मतांतरण भी हैं, जिन्हें रोकना आवश्यक है। उन्होंने कहा, "धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन यदि किसी को बलपूर्वक बदला जाता है तो यह गलत है। इसे रोकना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।"

घुसपैठ के विषय पर सरसंघचालक ने कहा कि हर देश की तरह भारत के भी अपने कानून और सीमित संसाधन हैं। ऐसे में अवैध प्रवास स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में कदम उठा रही है, लेकिन समाज को भी सजग होना चाहिए।

पुलिस ने हत्या में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस नगर के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी गभाना के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक गभाना के नेतृत्व में बीएनएस में वांछित अभियुक्त कन्हैया पुत्र गीतम निवासी नगला देवा थाना निधौली कलां जनपद एटा व अभियुक्ता मोनिका पत्नी कन्हैया निवासी नगला देवा थाना निधौली कलां जनपद एटा को मेहरावल पुल से गिरफ्तार किया।

सेक्टर 113 में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, 1 घायल, दूसरा गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। नोएडा के थाना सेक्टर 113 क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों से एक तमंचा, एक मोटरसाइकिल और 25 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। दोनों पर मंदिर के दानपात्र से चोरी सहित कई अन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप है। यह जानकारी नोएडा के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने दी। पुलिस के अनुसार, घायल बदमाश का नाम कन्हैया (पिता बदवी पासवान) है, जो मूल रूप से बिहार का निवासी है और वर्तमान में गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहता है। उसके साथी रोहित का निवास उत्तर प्रदेश के सीतापुर में है। कन्हैया ने हाल ही में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के एक मंदिर में दानपात्र से चोरी की थी। इस चोरी में इश्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चोरी का पैसा पुलिस ने बरामद कर लिया। पूछताछ में पता चला कि कन्हैया ने गाजियाबाद के इंदिरापुरम में भी एक मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इसके अलावा, दोनों बदमाशों ने मिलकर एक दुकान में भी चोरी की थी, जिसका पैसा भी उनके पास से बरामद हुआ।

दूध कारोबारी के 10 लाख रुपये हड़पने के आरोप में जीजा-साले गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दनकौर, 28 अगश्त (वेब वार्ता)। कोतवाली पुलिस ने दूध कारोबारी के 10 लाख रुपये हड़पने के आरोप में जीजा-साले को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी जीजा ने लूट की फर्जी कहानी बनाते हुए खुद को गोली मारकर घायल भी कर लिया। ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जीजा से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 लाख रुपये, 2 तमंचा, 2 कारतूस और दो गाड़ी भी बरामद की है। दिल्ली निवासी जितेंद्र शर्मा दनकौर में दूध का कारोबार करते हैं। उन्होंने बताया कि 21 अगश्त को डेरी पर काम करने वाले फिरोजाबाद निवासी उमेश को 10 लाख रुपये देकर अपने घर भेजा था। उसी रात उमेश के भाई ने कॉल करके बताया कि उसके भाई को बदमाशों ने यमुना एक्सप्रेसवे पर गोली मारकर 10 लाख रुपये की रकम लूट ली है, जिसका ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। जितेंद्र शर्मा भी उमेश से मिलने अस्पताल पहुंचे। शक हुआ कि उसके साथ लूट नहीं हुई बल्कि रकम का गबन उसने ही किया है। बुधवार रात को कोतवाली पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर उमेश से पूछताछ की तो बताया कि उसने फिरोजाबाद निवासी साले पवन के साथ मिलकर लूट की फर्जी कहानी बनाई थी।

कार धोते समय करंट से चालक की मौत, हत्या का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के जैतपुर गांव में कार धोते समय करंट लगने से चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जैतपुर चौराहे पर करीब चार घंटे तक शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। हरेंद्र कुमार (32) पत्नी मालती देवी, दो बच्चे क्षितिज (11) व दीपेश (9) के साथ जैतपुर गांव में रहते थे। वह जैतपुर स्थित कार वाशिंग सेंटर में बतौर चालक छह साल से 18 हजार रुपये प्रतिमाह पर काम कर रहे थे। पिछले कई माह से उन्हें वेतन नहीं मिला था।

छह सितंबर को होगी यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की बोर्ड बैठक छह सितंबर को ग्रेटर नोएडा स्थित मुख्यालय पर होगी। चेयरमैन व अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक होनी है। इसमें प्रमुख रूप से किसानों के लीज बैक के मुद्दों पर फैसला लिया जाना है। इसके अलावा राया अर्बन सेंटर के हेरिटेज सिटी के रूप में विकास कार्य, नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने के लिए जरूरी विकास कार्य आदि पर भी चर्चा हो सकती है।

आरजीएचएस का विरोध करने वाले हॉस्पिटल पैनल से बाहर

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में मॉनसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 8 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बुधवार को जयपुर, जोधपुर, भरतपुर समेत कई जिलों में जमकर बारिश हुई। कई जगह सड़कें जलमग्न हो गईं और वाहन बहने लगे। जोधपुर में तो हालात ऐसे बने कि बाजारों में पानी दुकानों के भीतर तक घुस गया।

सबसे बड़ा हादसा बालोतरा में हुआ, जहां लूणी नदी में बोलेरो बह गई। हादसे में मां और दो बेटियों की मौत हो गई। वहीं, 8 माह का बेटा और दो अन्य लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। जोधपुर शहर में बुधवार शाम मौसम अचानक बदल गया। शाम करीब 6:30 बजे तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश इतनी तेज थी कि त्रिपोलिया बाजार समेत कई इलाकों में दुकानों के भीतर पानी भर गया। सड़कें नदी जैसी नजर आईं और कई वाहन पानी के बहाव में फंस गए। पिछले 24 घंटे में जयपुर, उदयपुर, करौली, प्रतापगढ़, झुंझुनूं, झालावाड़, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, बांसवाड़ा, भरतपुर और राजसमंद जिलों में बारिश दर्ज की गई।

सबसे अधिक 34 मिमी बारिश उदयपुर के सलूंबर में दर्ज हुई।

चित्तौड़गढ़ के भदेसर में 30 मिमी, भरतपुर में 29, अजमेर के सरवर में 30, जवाजा में 27 और बारां के छबड़ा में 20 मिमी बरसात हुई। झुंझुनूं के खेतड़ी में 22, फलोदी के बाप में 27, प्रतापगढ़ के धरियावद में 20 और झालावाड़ के मनोहरथाना में 19 मिमी बारिश दर्ज की गई।

चूरू जिले के सुजानगढ़ में रविवार और सोमवार को हुई 159 मिमी बारिश से चापटिया श्मशान की दीवार टूट गई। इससे चापटिया तलाई का पानी एफसीआई गोदाम में घुस गया। गोदाम में करीब 1 लाख 80 हजार गेहूं के बैग रखे हुए हैं। पानी घुसने से गेहूं खराब होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल, अधिकारियों ने क्षति का आंकलन शुरू नहीं किया है। नगरपरिषद की ओर से पम्प लगाकर पानी निकाला जा रहा है।

बालोतरा में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ। जसोल बाइपास के पास लूणी नदी में बोलेरो बह गई। हादसे में शेरगढ़ निवासी पेमाराम का परिवार शामिल था। गाड़ी में उनकी पत्नी मीरा देवी (32), बेटी उर्मिला (7), पूजा (3), 8 माह का बेटा, मां कबू देवी (60), राणीदान सिंह (70) और ड्राइवर देवाराम (55) सवार थे। बोलेरो पानी के तेज बहाव में फंस गई और बहने लगी। हादसे में मीरा देवी और दोनों बेटियों की मौत हो गई। जेसीबी और क्रेन की मदद से बोलेरो को बाहर निकाला गया। पेमाराम और एक अन्य घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 8 माह का बेटा और दो अन्य लोग अब भी लापता हैं।

नागौर जिले के जसनगर में नेशनल हाईवे-458 पर लूणी नदी उफान पर है। नदी पुलिया के ऊपर से पानी बहने के कारण प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है। मौसम केंद्र जयपुर ने अनुमान जताया है कि दक्षिणी राजस्थान में अगले 2-3 दिन तक मानसून एक्टिव रहेगा।

फरीदबाद के कई इलाकों में घुसा यमुना का पानी, बाढ़ जैसे हालात; प्रशासन का अलर्ट

फरीदबाद, एजेंसी।
फरीदाबाद के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। दिल्ली की सीमा से सटे बसंतपुर इलाके में यमुना के डूब क्षेत्र में बनी कॉलोनी में यमुना का पानी आ गया। ओखला बैराज से यमुना में 48 हजार क्यूसेक पानी आने से गलियों में जलभराव हो गया। इस जलभराव की चपेट में करीब 500 घर आए हैं। इससे लोग परेशान हो गए हैं। लोग आवाजाही के लिए ट्यूब का भी प्रयोग कर रहे हैं। गलियों में तीन फीट तक पानी भर गया है । अभी बैराज से कम पानी छोड़े जाने की वजह से पूरे इलाके में नहीं फैला है। यदि आने वाले दिनों में पानी और ज्यादा छोड़ा जाता है तो यहां डूब क्षेत्र की बाकी कॉलोनी में पानी भर जाएगा।

यमुना में 48 हजार क्यूसेक पानी आने से जिला प्रशासन और पुलिस भी सतर्क हो गई है। पुलिस ने गुरुवार सुबह इलाके का मौका महीना किया। सिंचाई विभाग के एसडीओ अरविंद शर्मा ने बताया कि अभी 48 हजार क्यूसेक के आसपास पानी ओखला बैराज से छोड़ा गया है। अभी और ज्यादा पानी छोड़ने की अभी कोई सूचना नहीं है। 48 क्यूसेक पानी से कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है ,लेकिन बसंतपुर का इलाका अवैध रूप से यमुना की तलहटी में बसा हुआ है। इस वजह से यहां जलभराव हो जाता है।

बुधवार शाम आठ बजे नदी का जलस्तर 205.35 मीटर के निशान पर पहुंच गया था और तब से इसमें वृद्धि हो रही है। केंद्रीय जल आयोग ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी है, जैसे कि नदी के तटबंधों के पास रहने वाले लोगों को चेतावनी देना और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था करना। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियों को स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वज़ीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में जल छोड़ा जाना है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे लगभग 36,536 क्यूसेक जबकि वजीराबाद बैराज से हर घंटे 58,290 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु है। दिल्ली में यमुना के जलस्तर का चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है।

सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने से हुई निक्की भाटी की मौत: निजी अस्पताल के कर्मचारी

✷ **एनसीआर टुडे. लखनऊ** ✷

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के पुलिस अधिकारियों ने निजी अस्पतालों के चिकित्सकों एवं नर्सों के हवाले से बृहस्पतिवार को कहा कि कथित दहेज पीड़िता निक्की भाटी की मौत सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने की वजह से हुई है। घटना के बाद निक्की को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जिस अस्पताल में 21 अगश्त को निक्की भाटी को ले जाया गया था, वहां से प्राप्त एक ज्ञापन के अनुसार, वह ''घर में गैस सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण गंभीर रूप से जल गई थीं'' और उसे उसके पति विपिन भाटी का फुफेरा भाई गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''निक्की को भर्ती कराने के समय वहां मौजूद चिकित्सकों और नर्सों का बयान दर्ज कर लिया गया है। निक्की ने उन्हें बताया कि गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण वह जल गई थी।'' पुलिस ने कहा कि वे मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई करने से पहले बयान एकत्र कर रहे हैं। निक्की के कमरे से बरामद ज्वलनशील तरल पदार्थ को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जांचकर्ता घटना के संबंध में सार्वजनिक हुए कई वीडियो क्लिप की भी जांच कर रहे हैं।

मामले में पहले आरोप लगाए गया था कि दहेज की मांग को लेकर निक्की को उसके पति और ससुराल वालों ने आग लगा दी थी। पुलिस के मुताबिक, 26-वर्षीय निक्की की 22 अगश्त को मौत हो गई थी। चारों आरोपियों- पति विपिन, ससुर सत्यवीर, सास दया और देवर रोहित- को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस बीच, निक्की के परिवार के सदस्यों ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य से मुलाकात की और मामले में त्वरित अदालत में सुनवाई की मांग की।

ट्रंप टैरिफ पर मोहन भागवत का भी सख्त संदेश- दबाव में नहीं होने चाहिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

नागपुर, एजेंसी।
संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को ट्रंप के टैरिफ पर सख्त संदेश देते हुए कहा है कि अंतराष्ट्रीय व्यापार दबाव से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से होने चाहिए। इस दौरान भागवत ने आत्मनिर्भता पर भी जोर दिया है। भागवत ने कहा है कि आज के दौर में आत्मनिर्भरता का मतलब दूसरों से रिश्ते पूरी तरह खत्म कर लेना नहीं हो सकता और अंतराष्ट्रीय व्यापार भी जरूरी है। हालांकि संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसी दबाव में नहीं किए जाने चाहिए। मोहन भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका बुधवार से भारत से आयातित उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ वसूलने जा रहा है। भागवत विज्ञान भवन में 100 वर्ष की संघ यात्राः नए क्षितिज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अपना देश हर तरह आत्मनिर्भर होना चाहिए। इसकी शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए। जब स्वदेशी की बात करते हैं तो लगता है कि विदेशियों से संबंध नहीं रहेंगे। ऐसा नहीं है। आत्मनिर्भर होना यानि बाकी लोगों को बंद करना नहीं है। आत्मनिर्भर होना है लेकिन दुनिया परस्पर निर्भरता पर चलती है। भागवत ने आगे कहा, और इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तो चलेगा और उसमें लेनदेन होगी। बस इसमें दबाव नहीं होना चाहिए, स्वेच्छा होनी चाहिए। और इसीलिए स्वदेशी का पालन करना चाहिए। भागवत ने कहा कि स्वदेशी का मतलब यही है कि जो चीजें घर में बनती है उसे बाहर से ना लाया जाए। उन्होंने कहा, गर्मी के दिनों में आप नींबू की शिकंजी बनाकर पी सकते हैं तो कोका कोला क्यों लाना? घर में अच्छा और पौष्टिक भोजन मिलता है, फिर हर इतवार को बाहर जाकर पिज्जा क्यों खाना?

छत्तीसगढ़ में एकसाथ 30 नक्सलियों ने डाले हथियार, इनमें से 20 पर घोषित था कुल 81 लाख रुपए का इनाम

बीजापुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बुधवार को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली जब एकसाथ 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से 20 पर कुल 81 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी इस बारे में सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए इस सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के साथ ही सुरक्षाबलों को श्रेय दिया। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 10 लाख रुपए का इनामी एक नक्सली दंपति भी शामिल है, जिसमें से पति सोनू हेमला उर्फ ??कोरोटी (38) पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह नक्सलियों की संभागीय समिति का सदस्य और माओवादियों के केके उप-विभागीय ब्यूरो का प्रभारी था और 2003 से सक्रिय था। जबकि उसकी पत्नी सुकड़ी गावड़े पर 2 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

सरेंडर करने वाले अन्य नक्सलियों की पहचान प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य के दो सदस्य कल्लू पुनेम (28) और कोसी कुंजम (28), दो पार्टी सदस्य मोती पुनेम (25) और पांडे पुनेम (25) तथा एक पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कैडर छोटू कुंजम (19) के रूप में हुई है, इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

इसके अलावा हथियार डालने वाले दो नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था, जबकि नौ अन्य पर 2-2 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले दो अन्य नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। इसके साथ ही इस साल बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़कर 307 हो गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पूना मारगेम से शांति और विकास की ओर अग्रसर बस्तर, आज बीजापुर में 81 लाख रुपए के 20 इनामी समेत 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण हमारी सरकार की नवीन पुनर्वास नीति, नियद नेल्ला नार योजना और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का परिणाम है।' आगे उन्होंने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बस्तर के लोगों का विश्वास जीता है, उसी का परिणाम है कि लगातार माओवादी संगठन कमजोर हो रहे हैं और बड़ी संख्या में वे हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं। बस्तर अंचल में नक्सलवाद कमजोर हो रहा है और बस्तर तेजी से शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। सरेंडर करने की वजह बताते हुए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने दावा किया कि नक्सलियों ने खोखली माओवादी विचारधारा, आदिवासियों पर अत्याचार और आंतरिक कलह से मोहभंग होने के बाद आत्मसमर्पण किया। साथ ही पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडर राज्य सरकार की नियाद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना और राज्य सरकार की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से भी प्रभावित थे।

संबंध बनाता रहा, सिंदूर से मांग भरी; अब कबूल नहीं 'हिंदुओं वाली शादी', गाजियाबाद की महिला का दर्द

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद में नगर कोतवाली में एक महिला ने दूसरे समुदाय के युवक पर संबंध और शादी के बाद धोखा देने का आरोप लगाया है। पीड़िता का दावा है कि मुस्लिम शख्स ने उससे लंबे समय तक संबंध रखा, उसके पति की मौत के बाद उससे हिंदू रीति-रिवाज से शादी की और अब किसी और लड़की से निकाह करना चाहता है। उसका अब कहना है कि हिंदुओं वाली शादी मंजूर नहीं। पीड़िता ने आरोपी और उसके भाइयों के खिलाफ नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है।

नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता का कहना है कि वह पहले से शादीशुदा थी और उसकी दो बेटियां हैं। छह साल से वह अपने पति से अलग रह रही थी। अलग रहने के दौरान साजिद कुरैशी नामक युवक से उसके संबंध हो गए थे। पीड़िता के मुताबिक 10 जनवरी 2025 को उसके पति का देहांत हो गया। पति की मौत के बाद साजिद कुरैशी उसे घर ले आया और परिजनों के सामने उसकी मांग में न सिर्फ सिंदूर भरकर शादी की, बल्कि उसे मंगलसूत्र पहनाकर अपना लिया। पीड़िता का कहना है कि कुछ दिन पूर्व उसे पता चला कि साजिद के परिजन किसी दूसरी लड़की से उसकी शादी करा रहे हैं। इस पर उसने साजिद से पूछताछ की तो उसने हिंदू रीति-रिवाज से की गई शादी को मानने से इनकार कर दिया। साजिद द्वारा पीड़िता को रखने से इनकार करने पर वह उसके परिजनों के पास पहुंची और अपनी शादी के बारे में जानकारी दी। आरोप है कि साजिद के बड़े भाइयों राशिद कुरैशी, मोसीन कुरैशी और आलम नाम के एक अन्य व्यक्ति ने उसके साथ अभद्रता की।

हिमाचल में दो सितंबर तक भारी बारिश का येलो अलर्ट

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के बाद बुधवार को मौसम खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में धूप खिली, हालांकि दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और हल्की बारिश हुई। बीते 24 घंटों में भारी बारिश में कमी आई है। चंबा में सर्वाधिक 50 मिलीमीटर, धर्मशाला व जोत में 40-40 मिलीमीटर, केलांग, चुआरी व नैना देवी में 30-30 मिलीमीटर और पालमपुर, गग्गल, बिलासपुर, अंब व करसोग में 20-20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने आगामी दो सितंबर तक प्रदेश में मौसम खराब रहने की चेतावनी दी है। 28 अगस्त को उना, हमीरपुर, मंडी, शिमला व सिरमौर जिलों में मेघगर्जन व बिजली गिरने के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 29 अगस्त को उना, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। 30 व 31 अगस्त को चंबा, कांगड़ा और मंडी में अलर्ट रहेगा, जबकि पहली व दो सितंबर को भी प्रदेश के अधिकांश इलाकों में येलो अलर्ट जारी रहेगा।

बारिश से प्रभावित जिलों कुल्लू, मंडी, चंबा और कांगड़ा में राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार बुधवार शाम तक प्रदेश में भूस्खलन और मलबा आने से 2 नेशनल हाइवे और 582 सड़कें बंद हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 258, कुल्लू में 166, कांगड़ा में 65, शिमला में 31, सिरमौर में 17, उना में 21, सोलन में 13 और बिलासपुर में 7 सड़कें ठप हैं। कुल्लू में एनएच-305 और मंडी में एनएच-3 बंद पड़े हैं।

बारिश से बिजली व पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। प्रदेश में 1155 ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिनमें कुल्लू के 841 और मंडी के 295 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। 346 पेयजल योजनाएं भी बाधित हुई हैं, जिनमें कांगड़ा की 92, कुल्लू की 88, मंडी की 64, हमीरपुर की 41 और शिमला की 35 योजनाएं प्रभावित हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मॉनसून सीजन में अब तक हिमाचल में 310 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 38 लोग लापता और 369 घायल हुए हैं।

नाबालिग के साथ कुकर्म और वीडियो वायरल, तीन युवक गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय युवक के साथ कुकर्म करने व उसका वीडियो वायरल करने के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी एसएन तिवारी ने बताया कि 27 अगश्त को एक युवक ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने कहा था कि तीन युवकों ने उसके चचेरे भाई के साथ पहले कुकर्म किया और उसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच पड़ताल की और तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों में फफराना रोड धर्मपुरी जगन्नाथ अस्पताल के पास रहने वाले शिवम, मोनू उर्फ सुंदर तथा वासु उर्फ रवि शामिल हैं। आरोपितों ने पूछताछ के दौरान घटना में शामिल रहने का इकबाल किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारी एक दूसरे के साथ बहुत पहले से जान-पहचान थी। मौका पाकर हमने पीड़ित के साथ गलत काम किया था और उसकी वीडियो बना ली थी।

भतीजे ने दो साथियों के साथ फूफा पर चाकू से हमला किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। खोड़ा थाना क्षेत्र की सरस्वती विहार कॉलोनी में भतीजे से दो साथियों के साथ मिलकर आपसी विवाद के चलते फूफा पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ति के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सरस्वती विहार कॉलोनी निवासी प्रवीण के मामा का पुत्र नीरज निवासी पांडव नगर दिल्ली 24 अगश्त की सुबह दो साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। आरोप है कि उसने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। पिता रामचंद्र भगत ने जब भतीजे का विरोध किया। जिसपर भतीजे के दो अज्ञात साथियों ने पिता के हाथ पकड़ लिए। भतीजे ने चाकू से पिता पर हमला कर दिया। चाकू उनके पेट, हाथ व अन्य जगह लगने से वह घायल हों गए। जिसके बाद तीनों उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग हुए। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाशतव ने बताया कि पीड़ति के पुत्र की शिकायत पर तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में आपसी विवाद होने का पता चला है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व बैंक संबंधी कागजात चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के साया अपार्टमेंट के पास खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप, टेब और बैग में रखें बैंक संबंधी आवश्यक दशतावेज चुरा लिए। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। जिला गौतम बुध नगर निवासी नरेंद्र कुमार 22 अगश्त को किसी काम से इंदिरापुरम आए थे। उन्होंने बताया कि शाम करीब 8:30 बजे वह अपनी कार को साया अपार्टमेंट के पास खड़ी कर चाय पीने के लिए गए थे। जब वह चाय पी कर लौटे तो देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ था। चोरों ने कार में रखा लैपटॉप, टेब और बैग चोरी कर लिया था। उन्होंने बताया कि बैग में भारतीय स्टेट बैंक का डेबिट कार्ड, कोटक बैंक का डेबिट कार्ड, गाड़ी की आरसी, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य आवश्यक सामान रखा हुआ था। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी।

पड़ोसियों ने की गर्भवती महिला के साथ मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी अंकुर विहार थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पड़ोसियों में विवाद हो गया। आरोपियों ने गर्भवती महिला उसके पति व देवर के साथ मारपीट की। घायल महिला का जीटीबी अस्पताल में उपचार जारी है। पीड़ति की शिकायत पर दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की रंजीत विहार कॉलोनी निवासी ज्ञान प्रकाश का बुधवार सुबह करीब छह बजे पड़ोस में रहने वाले संजय और पुनीत के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिस पर उनके भाई अमित और उनके आठ माह की गर्भवती भाभी शीतल मौके पर पहुंची। आरोपियों ने दोनों भाइयों और गर्भवती भाभी के साथ मारपीट की। जिसमें महिला गंभीर रूप से चोटिल हो गई। परिजनों ने घायल महिला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश ने बताया कि पीड़िता के देवर की शिकायत पर आरोपी पिता पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जन्मदिन पार्टी में तमंचे लहराकर वीडियो वायरल करने वाले युवकों को पकड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। जन्मदिन पार्टी में अवैध हथियारों को लहराते हुए फायरिंग करने की वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को अवैध हथियार बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत थाना नगीना पुलिस ने जन्मदिन की पार्टी में अवैध हथियारों को लहराते हुए फायरिंग करने के मामले में मुखबिर की सूचना के आधार पर 28 अगश्त को ग्राम पुरैनी हाईवे ग्राम सैदपुरा के राश्ते की पुलिया के पास खड़े दो संदिग्ध व्यक्तियों अंकित पुत्र रामप्रसाद 22 वर्ष निवासी लाल सराय नगीना को एक पिस्टल 32 बोर 02 जिन्दा कारतूस 32 बोर 01 खोखा कारतूस 32 बोर तथा यासिर पुत्र शराफत हुसैन 22 वर्ष निवासी ग्राम मंझेड़ा शकरु नगीना को 01 तमंचा 12 बोर मय 05 जिन्दा कारतूस 12 बोर और 01 खोखा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार कर लिया।

सांसद चंद्रशेखर आजाद (रावण) ने निवास पर जन समस्याएं सुनी

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

एक दर्जन से अधिक ग्राम वासी जयरामपुर 11000 की हाई टेंशन लाइन, ग्राम वासियों घरों के ऊपर से होकर गुजरने वाली समस्या को लेकर भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकप्रिय नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण, उनके निवास स्थान धामपुर, अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे !

नगीना सांसद आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद (रावण) अपने निवास स्थान धामपुर पर क्षेत्र वासियों की विभागों से संबंधित समस्याएं गंभीरता पूर्वक सुनी, समाधान का आश्वासन दिया।, जय रामपुर ग्राम वासियों ने 11000 हाई टेंशन लाइन अपने घरों से गुजरने वाली लाइन हटवाने को लेकर एक दर्जन से अधिक लोगों ने इस समस्या को सांसद जी के सम्मुख रखा।

समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग उपखंड स्योहारा एस.डी.ओ. देहात धर्मेंद्र कुमार पटेल, ने समस्या को विश्तार पूर्वक सांसद जी को अवगत कराते हुए बताया कि ग्राम वासियों की समस्या संवेदनशील है ! किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, समाधान अति आवश्यक है। हाई टेंशन लाइन हटाने का खर्च उठाने में असमर्थ है, विद्युत विभाग को इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, हाई टेंशन लाइन को हटवाना अति आवश्यक है ! विद्युत विभाग द्वारा मेगा कैंप लगाकर जन समस्याओं को तत्काल समाधान किया जाना चाहिए।

जैसे की ओवरलोड की समस्या, मीटर ट्रांसफर, बिलों का संशोधन, तत्काल, तथा विद्युत लाइन संबंधित समश्त समस्याओं का समाधान तुरंत किए जाने की आवश्यक है ! जिससे उपभोक्ताओं का समस्याओं का सामना न करना पड़े, विद्युत लाइनों में करंट के लीकेज से कई पशुओं की जान जा चुकी है ! किसानों को पशुधन की हानि का सामना करना पड़ा, जो अत्यंत चिंता जनक है !

सांसद जी ने इन सभी बिंदुओं को, पार्लियेमेंट में रखने का आश्वासन दिया ! अन्य क्षेत्रों से भी आए हुए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए।

समाधान हेतु जैसे बाढ़ग्रश्त समस्या से होने वाले पशुधन वे आवास की होने वाली हानि से संबंधित फोटोग्राफ आदि जैसे एविडेंस, लेते हुए मुआवजे दिलवाने का आश्वासन दिया सांसद जी ने जो सम्मान पूर्वक समस्याओं की सुनवाई वह उनके समाधान का आश्वासन दिया इससे सभी फरियादी संतुष्ट दिखाई दिए, जन समस्या सुनवाई में ठाकुर आयुष जिला पंचायत अध्यक्ष आसपा विवेक सेन चौहान, जिला पंचायत सदस्य सत्येंद्र कुमार, वरिष्ठ आसपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य रजनीश कुमार सुखेंद्र सिंह बसंत कुमार आलोक भारती, आदि कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे !

प्रधानमंत्री आवास योजना पर सीडीओ ने दी जानकारी

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 को लेकर गुरुवार को विकास भवन, बिजनौर में मुख्य विकास अधिकारी ने स्थानीय पत्रकारों से वार्ता की। प्रेस वार्ता पूर्वाह्न 11 बजे उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित हुई।

जिसमें उन्होंने योजना की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर विशेष जोर दिया। सीडीओ ने कहा कि यह योजना पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपादित की जाएगी। यदि किसी श्तर पर कोई गड़बड़ी या शिकायत सामने आती है, तो उसे तुरंत जिला प्रशासन तक पहुँचाया जाए।

ताकि जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 28 अपात्र लाभार्थियों को आरसी जारी की जा चुकी है और उनसे धनराशि वापस ली जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई प्रक्रिया के तहत आवास प्लस सूची में पात्र लाभार्थियों का नाम जोड़ने के लिए आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 चलाया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के लिए जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में खंड विकास अधिकारियों की ओर से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया गया है।

सीडीओ पूर्ण बोरा ने पत्रकारों से अपील की कि वे आम जनता तक इस प्रक्रिया की सही जानकारी पहुँचाने में सहयोग करें। ताकि पात्र ग्रामीण जागरूक होकर योजना का लाभ ले सकें।

इस मौके पर परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार दिनकर ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। योजना को पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से लागू किया जाएगा। अपात्र पाए गए 28 लाभार्थियों से धनराशि वापस ली जा रही है।प्रत्येक ग्राम पंचायत में आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 का प्रचार किया जा चुका है।

कारी अरशद के इंतकाल पर भारतीय प्रेस क्लब ने की शोक सभा

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

मौलाना सईद साहब पूर्व इमाम ईदगाह के बेटे कारी अर्शद् को ब्रेन हेमरेज हो गया था जिन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल में दिखाया गया था लेकिन बीमारी से उनकी मौत हो गई।

मगरिब की नमाज के बाद उन्हें कब्रिश्तान में दफनाया गया कारी अरशद बहुत नेक दिल इंसान थे जिनको लेकर एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी ने 2 मिनट का मौन धारण कर अल्लाह ताला से उनकी मगफिरत की दुआ की और दुआ की के जन्नत में उन्हें आला मुकाम मिले कार्यालय मंडी मालगंज में में एसोसिएशन की सभा मे सभी पदाधिकारी भारतीय प्रेस क्लब कार्यालय पर उपस्थित हुए और सभी ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी माग़फिरत की दुआ की भारतीय प्रेस क्लब एसोसिएशन के सदस्यों में शामिल रहे अध्यक्ष वसीम वारसी एडवोकेट वरिष्ठ पत्रकार तनवीर अंसारी लियाकत मलिक अंकुर कुमार राकेश कुमार वर्मा अक्षय चौहान फहीम अंसारी इरफान आदिल खालिद अंसारी फारूक अंसारी बासित खान जरीफ खान शरीफ मलिक आदि लोग मौजूद रहे

पुलिस ने आश्लील फब्तिया कसने वाले मंचले को भेजा जेल

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

नगर के एक मौहल्ले में आती जाती महिलाओं और बच्चियों पर अश्लील फब्तियां कसने के मामले में स्थानीय पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए एक मनचले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गुरूवार को थाना नगीना पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि 26 अगश्त की शाम को मौहल्ला काजी सराय प्रथम में एक व्यक्ति द्वारा सड़क पर सरेआम खड़ा होकर आने जाने वाली महिलाओं एवं बच्चियों पर अश्लील फब्तियां कसने और बच्चियों के द्वारा लोगो से शिकायत करने को कहने पर धमकी देते हुए चले जाने और 28 अगश्त को उसी व्यक्ति द्वारा घटना की पुनरावृत्ति करने की शिकायत मिलने पर थाना नगीना पुलिस ने मु0अ0सं0 166/25 धारा 296/351 (3) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत करते हुए।

अभियुक्त दीपचंद पुत्र हरलाल सिंह निवासी वाल्मीकी बश्ती अंबेडकर नगर नगीना को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय पुलिस ने आरोपी युवक को उपजिलाधिकारी नगीना की कोर्ट में पेश किया।

जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह, हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल सचिन कुमार शामिल रहे।

रिक्शा चालकों पर बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने की कार्रवाई

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

नगर के कोतवाली शहर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाना कोतवाली शहर में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार नगर के एक स्कूल में कक्षा 3 में पढ़ने वाली 9 वर्षीय बच्ची को उसके परिजन रोजाना ई-रिक्शा से स्कूल भेजते थे।

बच्ची को लाने-ले जाने की जिम्मेदारी ई-रिक्शा चालक माजीद उर्फ भूरा पुत्र जाहिद निवासी मोहल्ला मिर्दगान पर थी। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक माजीद बच्ची को अपनी ई-रिक्शा में न बैठाकर, दूसरे ई-रिक्शा चालक नसीम पुत्र वाहीद निवासी मोहल्ला मिर्दगान की गाड़ी में बैठा देता था। तहरीर के अनुसार, नसीम बच्ची को चॉकलेट आदि का लालच देकर उसके साथ छेड़छाड़ करता था।

इस गंभीर आरोप के आधार पर पीड़ित बच्ची के परिजनों ने 27 अगश्त को थाना कोतवाली शहर में तहरीर दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया और दोनों आरोपियों,माजीद और नसीम को गिरफ्तार कर लिया।

साथ ही उनकी ई-रिक्शाओं को भी सीज कर दिया गया है। कोतवाली शहर पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और बच्ची की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

चेयरमैन व ईओ ने की पश्मीना शाल बनाने वाली महिलाओं के साथ बैठक

एनसीआर टुडे. साहनपुर। नगर पंचायत में चैयरमेन और ईओ ने पश्मीना शाल बना रही महिलाओं के साथ बैठक की। गुरुवार को साहनपुर नगर पंचायत में चैयरमेन और ईओ ने पश्मीना शाल बना रही महिलाओं के साथ बैठक की कुछ दिन पहले बिजनौर की जिलाधिकारी जसजीत कौर जी ने साहनपुर का दौरा कर पश्मीना शॉल बना रही महिलाओं से मुलाक़ात की थी और उनकी समस्याएँ सुनी थीं। कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा।

आवारा कुत्तों ने बच्ची को किया घायल

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

बढ़ापुर क्षेत्र में 11 साल की बच्ची को कुत्ते ने काटा, हायर सेंटर किया गया रैफर।

बढ़ापुर थाना क्षेत्र के ग्राम अब्दुल्लापुर कुरैशी में घर से बाहर दरवाजा बंद करने निकली 11 वर्षीय बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर दिया। घटना में घायल हुई बच्ची आलिया पुत्री शहजाद को परिजन तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बच्ची को हायर सेंटर रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में घूम रहे आवारा और बीमार कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद किशोरी से दुष्कर्म

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

वेव सिटी थानाक्षेत्र में बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बरामदगी के बाद पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने केस में दुष्कर्म और पॉक्सो ऐक्ट की धारा बढ़ाते हुए आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

वेव सिटी थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने 25 मई को वेव सिटी थाने में केस दर्ज कराया था। उनका कहना था कि 23 मई की रात करीब पौने नो बजे उनकी 17 वर्षीय बिना घर से कहीं चली गई। काफी देर तक न दिखने पर संभी संभावित स्थानों पर तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। शिकायतकर्ता ने उस्मान कॉलोनी डासना निवासी जैद पर शक जाहिर करते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई थी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के लिए टीम गठित की गई थी।

पुलिस टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मेन्युअल इनपुट के आधार पर किशोरी को बरामद कर लिया गया। पीड़िता ने अपने बयानों में जैद द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने की बात बताई, जिसके बाद केस में दुष्कर्म और पॉक्सो ऐक्ट की धारा बढ़ाई गई थीं।

सीओ ने बताया कि इसी क्रम में वेव सिटी पुलिस ने 27 अगश्त को 20 वर्षीय आरोपी जैद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि किशोरी से उसकी बातचीत होती थी।

एक दिन वह बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया और मौका पाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। सीओ ने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी को सेवानिवृत्ति पर आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन ने दी विदाई

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन शाखा ब्लॉक आकू के तत्वाधान में खंड शिक्षा अधिकारी नहटौर को शिक्षकों ने सेवानिवृत होने पर विदाई दी। उनके जीवन की कामना करते हुए उपहार देकर सम्मानित किया।

नहटौर नुरपुर रोड पर देव बैकट हाल पर आयोजित कार्यक्रम में आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी ने खान शिक्षा अधिकारी शेर सिंह सेवानिवृत्ति होने पर तथा उनके जन्मदिन पर केक काटा खंड शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों ने उपहार देकर उनके लंबे जीवन की कामना करते हुए सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख मृणाल त्यागी, रामावतार के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने कहा की यहां के शिक्षकों ने उनके मान सम्मान में कोई कमी नहीं रखी निष्ठा में लगन से उनके साथ मिलकर कार्य किया उन्होंने कार्यकाल में कभी भी कोई परेशानी नहीं होने दी।

उनके इस स्नेह से शिक्षकों के कार्यकाल को जीवन भर याद रखेंगे उन्होंने बताया कि इस ब्लॉक से उनकी सेवा यहां से शुरू हुई थी। अंतिम पदवी यहीं खत्म हुआ।

यह जीवन में एक यादगार चल रहा। जैनेंद्र कुमार, ओंकार सिंह, केशव त्यागी, शरद त्यागी, टीकम सिंह, परविंदर सिंह, सचिन चौधरी, पवन त्यागी, संदीप चौधरी, उदयवीर चौहान, जोगिंदर सिंह, सुधीर चौधरी, अरविंद चौहान, अमित प्रताप, राजकुमार सिंह, कपिल देव, राजवीर सिंह, महेश कुमार, हेमराज सिंह आर्य, मनीष कुमार, सूरजमल, आदि शिक्षा उपस्थित रहे

पड़ोसियों की मारपीट एफ.आई.आर. दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

नगर में शुक्रवार, 22 अगश्त को शाम करीब 7 बजे एक गंभीर घटना सामने आई। निवासी राजपाल के अनुसार, उनके पोते हिमाशु पुत्र राहुल के साथ पड़ोस में रहने वाले विनोद उर्फ परदुमन पुत्र भगत राम और मधु सुदन उर्फ मधुवा पुत्र भगत राम ने बिना किसी वजह के गाली-गलौच करते हुए मारपीट की।

घटना के समय राजपाल मौके पर पहुंचे और अपने पोते को बचाया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर अपने घर चले गए।

राजपाल ने बताया कि दोनों आरोपी उनके परिवार से पहले से रंजिश रखते हैं।घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराते हुए, राजपाल ने कानूनी कार्रवाई की मांग की। थाना हल्दौर पुलिस ने एफ.आई.आर. संख्या 0209 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एफ.आई.आर. 26 अगश्त 2025 को शाम 4:10 बजे दर्ज की गई और भारतीय दंड संहिता (B.N.S.) 2023 की धारा 115 (2), 351 (2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

बरकतपुर चीनी मिल में आसपा कार्यकर्ता जीएम चीनी मिल से मिले

एनसीआर टुडे. बिजनौर। आसपा कार्यकर्ता जीएम चीनी मिल से मिले। आपको बता दें बरकतपुर चीनी मिल में 3 मजदूरों की मृत्यु की दुखद घटना के बाद आसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, नगीना लोकसभा सांसद भाई चन्द्रशेखर आज़ाद जी दिनांक 26 अगश्त को मृतक परिवारों से मिले और परिवार को पेंशन व एक सदस्य को नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया था।

नजीबाबाद विधानसभा आसपा टीम ने चीनी मिल के GM विकास कुमार व यूनिट इंचार्ज नरपत से मुलाक़ात की। दोनों अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मजदूर परिवारों को PF से पेंशन व नौकरी दिलाने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। आसपा सदैव मजदूरों, किसानों और शोषित समाज की आवाज़ बुलंद करती रहेगी।

लाख विरोध के बाद भी शहजादपुर में सड़क बनकर तैयार

✷ **एनसीआर टुडे. मंडावली** ✷

शहजादपुर में खलिहान, ग्राम समाज और देवता स्थल की जमीन से पक्की सड़क निकालने के विरोध में किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन किया और हाईवे तक जाम किया गया मगर कुछ काम नहीं आया। आखिरकार तमाम विरोध के बाद बुधवार को सीसी रोड का निर्माण कर ही दिया गया।

पुरा मामला नांगल सोती समीप के गांव शहजादपुर का है जहां ब्लॉक निधि से पांच मीटर चौड़ी सीसी रोड का निर्माण पूरा कर लिया गया। इस सड़क के विरोध में दो दिनों तक भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों और कुछ ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया।

मंगलवार की रात नौ बजे इन लोगों ने हरिद्वार काशीपुर नेशनल हाईवे पर नजीबाबाद में जाम भी लगा दिया था। रात में सीओ नजीबाबाद नितेश प्रताप सिंह और एसडीएम शैलेंद्र सिंह ने किसी तरह किसानों को समझाते हुए किसी भी सरकारी जमीन पर राश्ता नहीं बनाया जाएगा यह कहते हुए लोगों को समझा बुझाकर जाम खुलवा दिया था। जाम लगाने वाले किसानों का आरोप था कि ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान की मिलीभगत से खलिहान, ग्राम समाज और ग्राम देवता की जमीन पर सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। जबकि नक्शे में उक्त जगह पर कोई राश्ता नहीं है।

आरोप था कि आगे चलकर ग्राम प्रधान के खेत है, ऐसे में ग्राम प्रधान को फायदा पहुंचाने के मकसद से यह रोड बनाई जा रही है। क्योंकि भविष्य में आगे चलकर ग्राम प्रधान को अपने खेत में कॉलोनी काटनी है।

वही वही ग्राम प्रधान के पक्ष में काफी संख्या में ग्रामीण एसडीएम कार्यालय पहुंचे और सड़क निर्माण कार्य जनहित में होना बताया वही, बुधवार को सड़क निर्माण का विरोध करने वाले शांत हो गए और सीसी रोड का निर्माण बिना किसी रूकावट के कर दिया गया।

शहजादपुर के ग्राम प्रधान पति अर्पण चौधरी ने बताया कि बरसात में इस मार्ग पर जल भराव की स्थिति में ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए ग्राम देवता स्थल की बाउंड्री वॉल से कुछ दूरी पर सीसी मार्ग का निर्माण किया गया है जों मेरा निजी स्वार्थ ना होकर जनहित में है ।

वही इस मामले में ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल नें बताया कि ग्राम देवता वाले मार्ग पर ग्राम प्रधान का खेत है या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है। पांच महीने पहले टेंडर हुआ था। पहले कोई विरोध नहीं था। हमने दिन में सड़क बनाई है, रात में सड़क बनाने का कोई प्रसन्न ही नहीं धरना प्रदर्शन में केवल कुछ लोगो द्वारा ही किया जा रहा था

विधि विधान के साथ शिव मंदिर में सनातन धर्म सभा प्रचार के तत्वाधान में गणेश चतुर्थी महोत्सव आरंभ

एनसीआर टुडे. नहटौर। पूर्वी चौधरियान शिव मंदिर में श्री सनातन धर्म सभा प्रचार सभा के तत्वाधान में गणेश चतुर्थी महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को धार्मिक अनुष्ठान क्रियाओं के साथ पूजा अर्चना के यजमान रतन सैनी व उनके धर्मपत्नी गुड्डी देवी ने पूजा अर्चना कराई। पूजा अर्चना के पुरोहित गणेश शर्मा ने धार्मिक अनुष्ठान क्रियाओं के साथ पूजा अर्चना संपन्न कारण इससे पूर्व मंदिर परिसर में रात्रि के समय भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोहल्ला जोशियान में मनोज शर्मा के आवास पर गणेश की प्रतिमा रखकर धार्मिक अनुष्ठान क्रियाओं के साथ पूजा अर्चना संपन्न कराई गई। इस अवसर पर ललित शर्मा, मनोज शर्मा, रोहण शर्मा, अश्विनी शर्मा, मास्टर निपेंद्र शर्मा, मोहित शर्मा,इसके अलावा दुर्गा विहार कॉलोनी मोहल्ला ऊंचा मे भी गणेश पूजा कराई।

संपादकीय

आत्मघाती हैं अमेरिका के भारत विरोधी फैसले, 16 साल पहले वैश्विक महामंदी को याद करे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रूस को सबक सिखाना चाहते हैं। इसके लिए वे भारत पर बेतुका दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने हिंदुस्तानी उत्पादों पर पचास फीसदी टैरिफ थोपा है। वे अमेरिका फर्स्ट की बात करते हैं, लेकिन भारत को इंडिया-फर्स्ट की बात नहीं करने देना चाहते। अर्थात ट्रम्प के लिए अपने राष्ट्रीय हित तो सर्वोच्च प्राथमिकता रखते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि हिंदुस्तान अपने राष्ट्रीय हितों को उनकी मंशा के लिए कुर्बान कर दे। ऐसी अपेक्षा संसार का कोई सिरफिरा राष्ट्राध्यक्ष ही कर सकता है। मैं नहीं कहता कि भारत को इस अनाप-शनाप टैरिफ बढ़ोतरी से कोई नुकसान नहीं होगा।

लेकिन अमेरिका की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसे झटकों को बर्दाश्त करने के लिए ज्यादा मजबूत है। इसे सिद्ध करने के लिए किसी गणित का फॉर्मूला लगाने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी कुछ जानकारों के लिए याद दिला सकता हूं कि सोलह साल पहले जब वैश्विक महामंदी आई थी तो अमेरिका में हाहाकार मच गया था, बैंक डूब गए थे, करोड़ों अमेरिकी गोरों की बैंकों में जमा मेहनत की कमाई मिट्टी में मिल गई थी। अमेरिका में दनादन आत्महत्याओं का सिलसिला शुरू हो गया था और सारा देश बदहवासी के आलम में था।

दूसरी ओर डॉक्टर मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने हिंदुस्तान पर आंच नहीं आने दी थी। भारत के लिए वह मंदी छोटे-मोटे ट्रिमर्स (अत्यंत हल्के किस्म की जमीनी हलचल या मामूली कंपन) जैसी थी और अमेरिका के लिए सुनामी अथवा रिक्टर स्केल पर 8 या 9 पैमाने का भीषण भूकंप। कारण यह कि अमेरिका और भारत की औसत आर्थिक सेहत में बहुत फर्क है। आम अमेरिकी के लिए रोजमर्रा की जरूरतों में बीयर की एक बोतल, गाड़ी के लिए डीजल-पेट्रोल, मछली पकड़ने के संसाधन, उम्दा मोबाइल फोन और शानदार कपड़ों को शामिल कर सकते हैं। मगर औसत भारतीय दाल-रोटी और प्रतिदिन की आवश्यकता के लिए मामूली खर्च से गुजारा कर लेता है। एक बानगी पर्याप्त होगी।

जब दिसंबर 2007 से जून 2009 के मध्य महामंदी विश्व भर में आई तो अमेरिका में आत्महत्याओं की बाढ़ आ गई थी। वहां 2007 में मौतों की संख्या में आत्महत्या ग्यारहवां बड़ा कारण था। करीब 35000 संपन्न लोगों ने आत्महत्याएं की थीं। उस दरम्यान लगभग पांच करोड़ लोगों ने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया था। बीते पचहत्तर-अस्सी साल में अमेरिका ने ऐसा भयावह दौर नहीं देखा था। भारत ऐसे जलजले से बचा रहा था। डोनाल्ड ट्रम्प ने नोबल पुरस्कार की वासना में शेष विश्व से जो जंग छेड़ी है, वह एक तरह से अपनी जांघ उघाड़ने जैसा उपक्रम है। उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। डोनाल्ड ट्रम्प के इस निर्णय से भारत, रूस, ब्राजील, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े राष्ट्र यकीनन उनको धन्यवाद देना चाहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐसे बेतुके निर्णयों ने उन्हें आपस में और निकट आने का अवसर दिया है। ब्रिक्स जैसा संगठन अब और ताकतवर होकर विश्व मंच पर उपस्थित होगा और अमेरिकी टैरिफ से लगने वाले छोटे-मोटे झटकों से उबर जाएगा। बताने की आवश्यकता नहीं कि डोनाल्ड ट्रम्प ब्रिक्स से चिढ़ते हैं। उनकी आंखें उनकी ही रिपब्लिकन पार्टी की कद्दावर नेता निक्की हेली की चेतावनी से भी नहीं खुली हैं।

निक्की एक समय अमेरिका के राष्ट्रपति पद की गंभीर दौड़ में शामिल थीं। वे कहती हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों से अमेरिका की पिछले पच्चीस बरस की मेहनत बेकार चली गई है। भारत न केवल संसार की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, बल्कि डेढ़ सौ करोड़ की आबादी वाला बड़ा बाजार है। इसी कड़ी में संसार के सबसे बड़े अर्थशास्त्री जैफरी सैश की चेतावनी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे अमेरिकी हैं और कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। उन्होंने आगाह किया है कि भारत पर इतना ज्यादा टैरिफ लगाकर ट्रम्प ने अमेरिका का नुकसान किया है। इससे अमेरिका अलग-थलग पड़ जाएगा और उसकी कंपनियों को भारी हानि होगी। प्रोफेसर सैश ने एक साक्षात्कार में कहा कि ट्रम्प हिंदुस्तान की बांह मरोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह कामयाब नहीं होंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प सोचते हैं कि वे भारत को धमकाकर काम निकाल लेंगे। पर यह सोचना समझदारी नहीं है कि वे इतने विराट लोकतांत्रिक देश को भयभीत कर सकते हैं। इससे होगा यह कि भारत अमेरिका से हमेशा के लिए छिटक जाएगा। उन्होंने कहा, 'ट्रम्प अमेरिका को वैश्विक अर्थतंत्र से अलग-थलग कर रहे हैं। वह अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र का नुकसान कर रहे हैं।'

हो सकता है कि उनके इस कदम से अमेरिकी कंपनियां घरेलू उत्पादन बढ़ा दें, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की होड़ से बाहर हो जाएंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति अपने पैर पर कुल्हाड़ी नहीं मार रहे हैं, बल्कि अमेरिका के पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। वह अपने विरुद्ध बाकी दुनिया को एकजुट करने का काम कर रहे हैं।' सैश ने कहा कि ट्रम्प और उनके सलाहकार हिंदुस्तान के बारे में ज्यादा नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'मैं तो भारत में अपने दोस्तों से कहता हूं कि अमेरिका पर ज्यादा भरोसा न करें। दरअसल अमेरिका को भारत के विकास की कोई परवाह नहीं है।' सैश ने भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने के ट्रम्प के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह अमेरिका की विदेश नीति के इतिहास में अब तक का सबसे बेवकूफी भरा फैसला है। इससे अमेरिका को एशिया में भारत जैसे भरोसेमंद साथी से हाथ धोना पड़ सकता है। अंतिम सवाल यह है कि क्या आज के संसार में कोई विकसित देश अपनी सनक के आधार पर दोहरे मापदंड अपनाते हुए दुनिया को संचालित कर सकता है? यूरोपीय देश तो रूस से 6 लाख करोड़ का कारोबार कर सकते हैं। रूस से खुद अमेरिका खाद और रासायनिक उत्पाद खरीद सकता है तो भारत को तेल खरीदने से वह किस आधार पर रोक सकता है? खास तौर पर ऐसी स्थिति में कि उसे अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चीन के रूस से तेल आयात करने पर कोई ऐतराज नहीं है।

'भारत-अमेरिका कृषि व्यापार : जोखिम और संतुलन की चुनौती

अरुण कु मार डनायक

हरित क्रांति के दौर में इंदिरा गांधी के दूरदर्शी निर्णय, कृषि मंत्री सी. सुब्रह्मण्यम का सतत कार्यकाल और स्वामीनाथन जैसे प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों की सूझबूझ भरी सलाह के आधार पर अमेरिका के साथ हुई वार्ताएं, आज के भारत-अमेरिका कृषि व्यापार गतिरोध को समझने और सुलझाने के लिए ऐतिहासिक संदर्भ के साथ आंशिक मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लगातार व्यापक होने की संभावनाओं के बीच कृषि क्षेत्र इस साझेदारी का सबसे संवेदनशील और विवादास्पद हिस्सा बना हुआ है। अमेरिका लंबे समय से भारतीय कृषि बाजार में प्रवेश का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक कारणों से अब तक इसे बड़े पैमाने पर विदेशी आयात से सुरक्षित रखा है।

छोटे और सीमांत किसान, पारंपरिक पारिवारिक खेती के साथ, भारतीय कृषि की रीढ़ हैं। भारत के कृषि क्षेत्र का महत्व केवल आर्थिक नहीं हैं, बल्कि यह 70 करोड़ से अधिक भारतीय नागरिकों के लिए आजीविका की वाश्तविकताओं, अनिश्चितताओं के दौर में एक सहारा होने के साथ-साथ घरेलू राजनीतिक प्राथमिकताओं से भी जुड़ा हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारश्तंभ कृषि हिस्सेदारी (2022-23) में सकल मूल्य वर्धन का 18.4 फीसदी है। यही कारण है कि राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील इस क्षेत्र में समझौते की बहुत कम गुंजाइश रहती है।

वर्ष 2024 में भारत ने अमेरिका से 1.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद बादाम, पिश्ता, एथेनॉल, मक्का, कुछ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, अन्य पशु आहार सामग्री आदि आयात किए। इसी कालावधि में भारत ने अमेरिका को 45.7 अरब डॉलर मूल्य के कृषि उत्पाद जैसे चाय, कॉफी और मसाले, बासमती चावल, प्रसंस्कृत फल-सब्जियां, ऑर्गेनिक तथा समुद्री खाद्य उत्पाद, तिलहन और दलहन निर्यात किये। कृषि क्षेत्र में भारत का व्यापार संतुलन अधिशेष में है। डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सहित अनेक विकासशील देशों के प्रति अमेरिका का दृष्टिकोण बदला है और वह तरह-तरह के आर्थिक दबाव इन देशों पर डाल रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प का कहना है कि भारत के कृषि आयात पर औसत शुल्क 39फीसदी है, जबकि अमेरिका में यह औसतन 5 फीसदी है। अमेरिका का तर्क है कि इन ऊंचे शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं (जैसे स्वच्छता व पौध-स्वास्थ्य मानक) से अमेरिकी उत्पादों को अनुचित रूप से रोका जाता है।

भारत ने आरंभ से ही अमेरिकी प्रशासन के साथ कूटनीतिक श्तर पर संवाद को प्राथमिकता दी और उसके आरोपों का संयमित व संतुलित उत्तर दिया। किंतु जब कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर वार्ता का गतिरोध समाप्त नहीं हो सका, तब घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों और नीतिगत सिद्धांतों के मद्देनज़र भारत ने स्पष्ट कर दिया कि अपने कृषि क्षेत्र की सुरक्षा एक ऐसा राष्ट्रीय संकल्प है, जिस पर कोई समझौता संभव नहीं।

भारत का मानना है कि कृषि क्षेत्र खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण रोजगार के लिए अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए इसे विदेशी आयात से सुरक्षा मिलनी चाहिए। अमेरिका जैसे देशों की कृषि भारी सब्सिडी पर आधारित है-जिससे उनका उत्पादन लागत कृत्रिम रूप से कम होता है और वे सश्ते में निर्यात कर सकते हैं। भारत के विश्व व्यापार संगठन दायित्व उसे संवेदनशील क्षेत्रों में संरक्षण की अनुमति देते हैं, भारत अचानक आयात बढ़ने या कीमत

गिरने पर शुल्क बढ़ा सकता है और भारत मौजूदा शुल्क इन्हीं सीमाओं के भीतर रखता है।

इस समझौते के हो जाने के अनेक संभावित नुकसान हैं। भारत सरकार के नीति निर्माताओं का सोचना है कि अमेरिका के दबाव के चलते भारत सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य, अनुदान और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसे नीतिगत मामलों में कठोर व अलोकप्रिय फैसले लेने पड़ सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों व किसान नेताओं का मानना है कि सश्ते अमेरिकी आयात घरेलू बाजार में दाम गिरा सकते हैं। किसानों की आय में कमी के कारण छोटे और सीमांत किसान सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का दबदबा बढ़ने से स्थानीय व्यापारी और किसान बाजार से बाहर हो सकते हैं। इन प्रत्यक्ष प्रभावों के अलावा गैर-शुल्क बाधाएं और उनके व्यापक प्रतिकूल असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

यह भावना सभी राजनीतिक दलों में समान रूप से गहराई से व्याप्त है, जिसके कारण किसी भी सरकार के लिए अपने रुख में बड़ा बदलाव करना राजनीतिक रूप से अत्यंत जोखिमपूर्ण और महंगा साबित हो सकता है।

ऐसा नहीं है कि भारत-अमेरिका कृषि व्यापार होने पर केवल नुकसान ही है। यदि दोनों देशों में समझौता हो जाता है तो इसके अनेक संभावित फायदे भी हैं। इसके फलस्वरूप निर्यात अवसरों में वृद्धि होगी, अमेरिका में भारतीय चाय, मसाले, समुद्री उत्पाद और ऑर्गेनिक फूड की मांग बढ़ सकती है। तकनीकी सहयोग बढ़ेगा और आधुनिक मशीनरी, सिंचाई तकनीक, ड्रोन और सटीक कृषि पद्धतियों तक भारत की पहुंच मजबूत होगी। कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अमेरिकी निवेश से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन होगा।

भारतीय नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण व पोषक तत्वों से भरपूर कृषि उत्पाद उपलब्ध होंगे, उच्च मूल्य वाली एवं निर्यातोन्मुख फसलों की खेती को नया प्रोत्साहन मिलेगा, और अमेरिकी मानकों के अनुरूप उत्पादन से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को निर्णायक बढ़त हासिल होने की प्रबल संभावना बनेगी।

हरित क्रांति के दौर में इंदिरा गांधी के दूरदर्शी निर्णय, कृषि मंत्री सी. सुब्रह्मण्यम का सतत कार्यकाल और स्वामीनाथन जैसे प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों की सूझबूझ भरी सलाह के आधार पर अमेरिका के साथ हुई वार्ताएं, आज के भारत-अमेरिका कृषि व्यापार गतिरोध को समझने और सुलझाने के लिए ऐतिहासिक संदर्भ के साथ आंशिक मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं। तब सरकार ने अमेरिकी शर्तें स्वीकार तो कीं, किंतु अंतिम लक्ष्य कृषि आत्मनिर्भरता को ही बनाया। इसी संकल्प का परिणाम था हरित क्रांति, जिसने गेहूं और चावल की उत्पादकता में अभूतपूर्व वृद्धि की और देश को खाद्यान्न संकट से उबार दिया। मोदी सरकार चाहे तो वाजपेयी सरकार की पूंजी निवेश सह अनुदान आधारित ग्रामीण भंडार योजना, मनमोहन सरकार की कृषि ऋण विश्तार व ऋण माफी नीतियों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के कृषि निवेश ऋ ण में योगदान जैसे उपायों से प्रेरणा लेकर कृषि सुधार कर सकती है।

भारत और अमेरिका के कृषि समझौते में आर्थिक अवसर और तकनीकी सहयोग हैं, पर बड़े जोखिम भी जुड़े हैं। भारत को किसानों की आय और खाद्य सुरक्षा का संरक्षण करते हुए अमेरिकी सब्सिडी वाले उत्पादों के मुकाबले घरेलू किसानों को सुरक्षा देनी होगी।

विदेश व्यापार बढ़े, साथ ही घरेलू कीमतें स्थिर रहें। भारत सरकार को इस संतुलन को सावधानी से बनाए रखने की कोशिश करना चाहिए, क्योंकि दीर्घकालिक रूप में विवेकपूर्ण नीति ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा और ग्रामीण स्थिरता दोनों सुनिश्चित कर सकती है।

भारत की नींव में दरारें, मोदी जिम्मेदार

सर्वमित्रा सुरजन

कोरोना के बाद से पूरी दुनिया में कारोबार प्रभावित हुआ। पिछले पांच सालों में जो संभलने की कोशिश व्यापारियों ने की थी, अब ट्रंप के टैरिफ से उसे और झटका लगेगा। इस झटके से उबरने में अगर सरकार ने कोई मदद नहीं की, तो फिर इसका बोझ भी जनता पर ही आएगा। यानी दोनों सूरतों में जनता को नुकसान होना तय है।

बुधवार को देश में दो बड़ी घटनाएं हुईं, जिनका दूरगामी असर पड़ेगा। इसे यूं भी कह सकते हैं कि 75 सालों में तिनका-तिनका जोड़कर जिस भारत को बनाया गया था, उसकी नींव में ही दरार डालने की कोशिश हुई है। अगर ये कोशिश कामयाब होती है, तो फिर आने वाली पीढ़ियां शायद फिर उसी दर्द, तकलीफ और संघर्ष से गुज़रें जिनकी साक्षी गुलामी के दौर की पीढ़ियां रही हैं। दोनों घटनाएं अमेरिका से ही जुड़ी हैं। 27 अगश्त से अमेरिका द्वारा बढ़ाई गई टैरिफ दरें लागू हो चुकी हैं, जिसके बाद से छोटे और मध्यम व्यापारियों में नुकसान का डर बढ़ गया है।

दूसरी घटना युद्धविराम से जुड़ी है, डोनाल्ड ट्रंप ने 42वीं बार दावा किया है कि भारत और पाकिश्तान के बीच युद्धविराम उन्होंने करवाया है। इस बार ट्रंप ने बाकायदा नरेन्द्र मोदी का नाम लेकर इस बात को दोहराया है। साथ ही यह भी बता दिया है कि उन्होंने तो 24 घंटे का वक्त दिया था, लेकिन नरेन्द्र मोदी 5 घंटों में ही मान गए।

ट्रंप ने जिस अंदाज में अपनी केबिनेट में इस बात को कहा, उस पर वहां मौजूद लोग हँसने लगे। अर्थात भारत का प्रधानमंत्री अब अंतरराष्ट्रीय श्तर पर मजाक का पात्र बन गया है, लेकिन भाजपा अब भी शायद यही कहेगी कि नरेन्द्र मोदी विश्वगुरु हैं, उन्हें पूरी दुनिया के नेता सम्मान देते हैं।

अंग्रेजों का गुलाम बनने से पहले भारत सोने की चिड़िया कहा जाता था, दूध-दही की नदियां बहने के मुहावरे यहां बने, तो इसका अर्थ यही है कि हमारे पास प्राकृतिक और आर्थिक दोनों संपदा प्रचुर मात्रा में थी। लेकिन विदेशी व्यापारियों के आगे घुटने टेकने और उनकी रणनीति में मोहरा बनने की बड़ी गलती कर तत्कालीन राजाओं ने पूरे देश को दो सदियों की गुलामी में धकेल दिया। इसके बाद देश को आजाद कराने में लगे स्वाधीनता सेनानियों ने आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक हर क्षेत्र की कमजोरियों और कुप्रथाओं की शिनाख्त की, ताकि देश को आजाद कराने के साथ-साथ नयी मजबूत नींव पर खड़ा किया जा सके। आजाद भारत को दुनिया की शक्तियों से मुकाबला करने में आसानी हो जाएगी, ऐसा उनका यकीन था। आजादी के बाद इसी दिशा में काम भी हुआ।

संविधान बना, स्वतंत्र विदेश नीति बनी, मिश्रित अर्थव्यवस्था की राह पर देश चला, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवीपर्स खत्म हुए, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, संचार क्रांति हुई, अनेक सार्वजनिक निकाय खड़े हुए ताकि रोजगार की व्यवस्था हो, उच्च शिक्षा के लिए काम हुआ। इसके साथ-साथ देश में गैरबराबरी और सांप्रदायिक नफरत को मिटाने की सतत कोशिशें भी चलीं।

लेकिन भारत की आजादी से लेकर उसके नवनिर्माण के पूरे दौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने कार्यकर्ताओं को तैयार करता रहा कि वे इन सारी उपलब्धियों पर पानी फेर कर हिंदू राष्ट्र का कथानक तैयार करें। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी संघ की भारत को देन हैं। जिन्होंने 11 बरसों के शासनकाल में आजादी के 75 बरसों के भारत को पूरी तरह जर्जर और खोखला बना दिया है।

उस पर तुर्रा ये कि अब वो खुलकर कालेधन की हिमायत करने लगे हैं। मंगलवार को गुजरात में जापान के साथ एक संयुक्त उपक्रम की शुरुआत करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मेरी स्वदेशी की व्याख्या बहुत सिंपल है, पैसा किसका लगता है, उससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है। वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। इसका मतलब यही है कि श्री मोदी ने काले धन को अपनी सहमति दे दी है।

याद कीजिए 2014 में सत्ता पर बैठने के लिए यूपीए सरकार पर भ्रष्टाचार के खूब इल्जाम भाजपा ने लगाए। फिर नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जितना काला धन विदेशों में है, सब वापस लाऊंगा और हरेक के खाते में 15-15 लाख आ जाएंगे। 15 लाख तो किसी के खाते में नहीं आए, उल्टा जो जमा पूंजी थी वो 2016 की नोटबंदी में निकल गई, तब भी श्री मोदी ने काले धन को मिटाने का ही वाश्ता दिया था।

अब उस फैसले की चर्चा नरेन्द्र मोदी कभी नहीं करते हैं, क्योंकि जानते हैं कि नोटबंदी उनकी बड़ी गलती थी, या फिर आम भारतीय की कमर तोड़ने की सायास कोशिश, ताकि जनता दो वक्त की रोटी के लिए जूझते रहे और उसे अन्य मुद्दों को देखने-समझने की फुर्सत ही नहीं मिले। जनता को मजबूर कर उद्योगपतियों के लिए काम करना आसान हो जाता है।

भाजपा और नरेन्द्र मोदी की मुहिम में मीडिया ने भी भरपूर साथ दिया, क्योंकि मीडिया पर भी पूंजीपतियों का कब्जा हो चुका है। रोजगार, उद्योग-धंधों, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों की कमियां इन सब पर खबरें बिल्कुल नहीं होती, केवल हिंदू-मुसलमान के नए-नए विवाद खड़े कर उन पर अशोभनीय चर्चाएं टीवी पर होती हैं। एक चर्चा में जनता उलझती है, तब तक दूसरा विवाद खड़ा हो जाता है।

इसलिए जनता मोदी सरकार से और नरेन्द्र मोदी से ये सवाल नहीं कर रही कि आपने अमेरिका को किस तरह भारत और पाकिश्तान के बीच आने दिया, जबकि शिमला समझौता यही है कि दोनों देशों के बीच तीसरे पक्ष के लिए कोई स्थान नहीं रहेगा। हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पाकिश्तान को हराने की पूरी तैयारी कर ली थी, लेकिन अमेरिका के कहने पर सैन्य अभियान को रोकना क्या देश की सुरक्षा से खिलवाड़ और सैनिकों का अपमान नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर की जवाबी कार्रवाई में पाकिश्तान ने जो हमले किए, उनमें कई आम नागरिक मारे गए और सैनिकों की शहादत भी हुई, क्या उनकी जान की कीमत अब अमेरिका तय करेगा। पहलगाम के दोषी कहां हैं, इस पर भी क्या अमेरिका जवाबदेही लेगा। इसी तरह गलवान के बाद चीन के आगे नरेन्द्र मोदी ने घुटने टेके और देश का अपमान किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा है कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर युद्ध रुकवाया, नरेन्द्र मोदी भी कहते हैं कि उनके खून में व्यापार है। तो फिर ट्रंप को व्यापार में उन्होंने आगे क्यों निकलने दिया। क्यों नरेन्द्र मोदी अमेरिका को बढ़ा हुआ टैरिफ लगाने से रोक नहीं पाए। अमेरिका अब भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा है। यह पूरी दुनिया में लगाए गए टैरिफ की सबसे अधिक टैरिफ दर है। इस वजह से निर्यातकों और किसानों को नुकसान तो हो ही रहा है, बड़ी संख्या में बेरोजगारी बढ़ने की आशंका भी बन गई है।

तिरुपुर, नोएडा और सूरत जैसे प्रमुख कपड़ा उत्पादन केंद्रों में मंगलवार से उत्पादन रोक दिया गया है, क्योंकि अब निर्यात कठिन हो जाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के संघ (एफआईईओ) ने बताया है कि अब कपड़ा और परिधान उद्योगों में लागत बढ़ रही है।

वियतनाम और बांग्लादेश जैसे कम लागत वाले प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले भारत की स्थिति अब खराब हो गई है। संघ ने सरकार से तत्काल मदद मांगी है। जिनमें छोटे व्यापारियों और लघु उद्योगों को तुरंत आर्थिक सहायता दी जाए, उन्हें सश्ते ऋण और आसान क्रेडिट सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ब्याज और मूलधन चुकाने के लिए कम से कम 1 साल की राहत मिले, प्रभावित कंपनियों को बिना गारंटी वाले लोन दिए जाएं, यूरोपीय यूनियन, ओमान, चिली, पेरू, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिका के साथ जल्द से जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए जाएं ताकि अमेरिकी बाजार के नुकसान की भरपाई हो सके, आदि प्रमुख हैं।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, यह टैरिफ 60.2 बिलियन डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात को प्रभावित करेगा, जिसमें कपड़ा, रत्न और आभूषण, झींगा, कालीन और फर्नीचर शामिल हैं। इन क्षेत्रों में निर्यात मात्रा में 70 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। नयी टैरिफ दरों के बाद टेक्सटाइल और गारमेंट्सः कपड़ों पर टैरिफ 9 प्रतिशत से बढ़कर 59प्रतिशत और रेडीमेड पर 13.9प्रतिशत से बढ़कर 63.9प्रतिशत हो जाएगा।

तिरुपुर, सूरत, लुधियाना और मुंबई जैसे केंद्र प्रभावित होंगे। मेटल सेक्टरः स्टील, एल्युमिनियम और कॉपर पर टैरिफ 1.7प्रतिशत से बढ़कर 51.7प्रतिशत हो गया है। फर्नीचर और बेडिंगः 2.3प्रतिशत से बढ़कर 52.3प्रतिशत। सीफूडः पहले कोई टैरिफ नहीं था, अब 50प्रतिशत लगाया जाएगा। ज्वेलरी और प्रेशियस मेटल्सः हीरे और सोने पर शुल्क 2.1प्रतिशत से बढ़कर 52प्रतिशत। मशीनरी और मैकेनिकल सामानः 1.3प्रतिशत से बढ़कर 51.3प्रतिशत। ऑटो सेक्टरः गाड़ियों और स्पेयर पाट्र्स पर अलग से 25प्रतिशत नहीं लगाया गया, लेकिन कुल 26प्रतिशत शुल्क लागू रहेगा।

कोरोना के बाद से पूरी दुनिया में कारोबार प्रभावित हुआ। पिछले पांच सालों में जो संभलने की कोशिश व्यापारियों ने की थी, अब ट्रंप के टैरिफ से उसे और झटका लगेगा। इस झटके से उबरने में अगर सरकार ने कोई मदद नहीं की, तो फिर इसका बोझ भी जनता पर ही आएगा। यानी दोनों सूरतों में जनता को नुकसान होना तय है। बेरोजगारी, महंगाई बढ़ेगी लेकिन श्री मोदी अब भी इससे बेपरवाह दिख रहे हैं। उनके भाषणों में कोरी लफ्फाजी के कुछ नहीं होता। संकल्प, शक्ति, विकास, नया भारत, बस ऐसे कुछ शब्दों की जुगाली हो रही है, देश का कुछ भला नहीं हो रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने साबित कर दिया है कि नरेन्द्र मोदी के कं धे पर रखकर बंदूक चलाई जा सकती है। इससे दुनिया में अच्छा संदेश नहीं गया है। इससे पहले किसी अमेरिकी रार्ष्ट्रपति की हिम्मत नहीं होती थी कि वह भारत से गुश्ताखी करे और अगर किसी ने ऐसा दुस्साहस दिखाया तो भारतीय प्रधानमंत्रियों ने कड़ा जवाब भी दिया।

इंदिरा जी ने 71 के युद्ध में सातवां बेड़ा भेजने की अमेरिकी धमकी पर कहा था कि सातवां भेजो या सत्तहरवां, हम पीछे नहीं हटेंगे। इसी तरह 2013 में भारतीय राजनयिक देवयानी खोब्रागड़े पर अमेरिकी पुलिस ने जांच की, तो जवाब में डा. मनमोहन सिंह ने अमेरिकी दूतावास की सुरक्षा हटा ली थी। लेकिन स्वतंत्र विदेश और आर्थिक नीति को मोदी ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) पर विशेष : ध्यानचंद : हॉकी में फिरकी का जादूगर

हर्षवर्धन पान्डे

उनकी स्टिक में एक जादू परिलक्षित होता था। हाकी थामे जब वो ड्रिबलिंग करते थे तो अच्छे -अच्छे खिलाड़ियों के पसीने छूट जाते थे। आप कह सकते हैं हाकी के मैदान पर अपने तीसरे नेत्र द्वारा वो विपक्षी टीम के हर खिलाड़ी पर पैनी नजर रखते थे।

उनका दिल और दिमाग हर समय हाकी के खेल में ही डूबा रहता था। सही मायने में उनके आसपास हाकी जैसे राष्ट्रीय खेल का औरा था। वे मैदान पर जब रहते थे तो खेल के हर दांव पर चीजों को साधते थे।

वे लोग भाग्यशाली थे जिन्होनें महान हाकी जादूगर ध्यानचंद के खेल को बेहद करीब से देखा है। उनकी सबसे बड़ी देन यही है कि उन्होंने देश के हर खिलाड़ी को यह पाठ पढ़ाया कि आपकी परिस्थितियां आपको बड़ा बनने से रोक नहीं सकती अगर आप में खेल के प्रति जुनून है।

किसी भी खिलाड़ी की महानता को आप उसके खेलों के प्रति समर्पण, जिद और जुनून से बखूबी नाप सकते हैं, उस हिसाब से तो मेजर ध्यानचंद महान खिलाड़ी थे। उन्हें हॉकी में फिरकी का जादूगर यूं ही नहीं कहा जाता था। ध्यानचंद का जन्म उत्तरप्रदेश के इलाहबाद में 29 अगश्त 1905 को हुआ था। उनके पिता का नाम समेश्वर सिंह था जो ब्रिटिश इंडियन आर्मी में एक सूबेदार के रूप कार्यरत थे। हाकी का माहौल तो मानो पूरे परिवार में ही था। पिता को हाकी की स्टिक पकड़ा देखकर ध्यान ने भी हाकी की स्टिक थाम ली। यह वह दौर था जब ध्यानचंद के भाई मूल सिंह और रूप सिंह भी हाकी के हीरो के रूप में जाने जाने लगे। हॉकी के खेल में ध्यानचंद की प्रतिभा देखते ही बनती थी।

उन्होंने सतत साधना, अभ्यास, लगन, संघर्ष और संकल्प के सहारे भारतीय हाकी को दुनिया में अपने आसरे न केवल नई पहचान दिलाई बल्कि दुनिया में भारत की हाकी की धमक अपने खेल के जरिये दिखाई। ध्यानचंद जब महज 14 बरस के थे, तब वह अपने पिता के साथ हॉकी मैच देखने के लिए गए। जहां उन्होंने एक टीम को 2 गोल से हारते हुए देखा। तभी चंद ने अपने पिता से पूछा कि वह हारने वाली टीम से कैसे खेल सकते हैं? उनके पिता ने कहा "हाँ क्यों नहीं।"

उस मैच में ध्यान चंद ने 4 गोल किए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए सेना के अधिकारी इतने प्रभावित हुए और उन्हें सेना में शामिल होने की पेशकश की। ध्यानचंद 16 साल की उम्र में "फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट" में एक साधारण सिपाही के रूप में भर्ती हुए लेकिन वे भारतीय सेना में मेजर के पद तक अपने खेल के जरिये पहुंचे। भारतीय सेना जॉइन करने के बाद उन्होंने हॉकी को अपना जीवन बना लिया किया।

ध्यानचंद बेहतरीन हाकी खेलते थे। इसके लिए वो दिन - रात पसीना बहाया करते थे। उस दौर में उनके रात के अभ्यास सत्र को चांद निकलने से जोड़कर देखा जाता था शायद यही वजह थी उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें चांद नाम दे दिया।

ध्यानचंद को फुटबॉल में पेले और क्रिकेट में ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। उनकी गेंद इस कदर उनकी स्टिक से चिपकी रहती कि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को अक्सर आशंका होती कि कहीं वो किसी जादुई स्टिक से तो नहीं खेल रहे हैं। ध्यानचंद की हॉकी स्टिक से जिस तरह गेंद चिपकी रहती थी उसे देख कर उनकी हॉकी स्टिक में गोंद लगे होने की बातें भी पूरी दुनिया में कही गई।

एक बार कुछ ऐसा हुआ कि नीदरलैंड में एक मैच के दौरान उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर देखी गई। इस शक के साथ कहीं स्टिक में कोई चुम्बक तो नहीं लगी लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा क्योंकि जादू हॉकी स्टिक में नहीं ध्यानचंद के बेजोड़ खेल और हाथों में था। एक बार ध्यानचंद ने शॉट मारा तो वह पोल पर जाकर लगा तो उन्होनें रेफरी से कहा की गोल पोस्ट की चौड़ाई कम है। जब गोलपोस्ट की चौड़ाई मापी गई तो सभी हैरान रह गए। वह वाकई कम थी। ध्यान चंद ने देश को स्वाभिमान से जीना भी सिखाया। उनकी कलाकारी से मोहित होकर ही जर्मनी के रुडोल्फ हिटलर सरीखे जिद्दी सम्राट ने उन्हें जर्मनी के लिए खेलने और जर्मन सेना में शामिल होने की पेशकश कर दी थी लेकिन ध्यानचंद ने हमेशा भारत के लिए खेलना ही सबसे बड़ा गौरव समझा और लेकिन उन्होंने भारत में ही रहना पसंद किया और मौके पर ही इस पेशकश को ठुकरा ही दिया। 1936 में बर्लिन ओलंपिक में हिटलर के सामने ना सिर्फ जर्मनी की हॉकी टीम को 8-1 से पराजित किया, बल्कि उस दौर में दुनिया के सबसे बड़े तानाशाह हिटलर के सामने खड़े होकर तब उन्हें एक भारतीय होने का अहसास कराया, जब हिटलर से आंख मिलाना भी हर किसी के बस की बात नहीं होती थी। ध्यानचंद ने हिटलर की उस फरमाइश को खारिज कर दिया जिसमें हिटलर ने ध्यानचंद को भारत छोड़ कर्नल का पद लेकर जर्मनी में रहने को कहा था लेकिन ध्यानचंद उस वक्त भी अपने फटे जूते, स्टिक और लांस-नायक के अपने पद को बतौर भारतीय ज्यादा महत्व दिया। अपनी आत्मकथा गोल में उन्होंने लिखा था आपको मालूम होना चाहिए कि मैं बेहद सरल और साधारण आदमी हूं। ध्यानचंद की हॉकी की जादूगरी के जितने किस्से हैं उतने शायद ही दुनिया के किसी अन्य खिलाड़ी के बाबत सुने गए हों।

ध्यानचंद का असली नाम ध्यान सिंह था जो नाम उनके कोच पंकज गुप्ता ने दिया था। उनकी हॉकी की कलाकारी देखकर हर हॉकी प्रेमी बिना वाह-वाह कहे बिना नहीं रह पाता था। प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी भी अपनी सुध - बुध खोकर उनकी स्टिक की कलाकारी को देखने में मशगूल हो जाते थे। 1928 में एम्सटर्डम में हुए ओलिंपिक खेलों में वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उस टूनामेंट में ध्यानचंद ने 14 गोल किए। एक स्थानीय समाचार पत्र में लिखा था, यह हॉकी नहीं बल्कि जादू था और ध्यान चंद हॉकी के जादूगर हैं। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में उनके साथ खेले और बाद में पाकिश्तान के कप्तान बने आईएनएस दारा ने वर्ल्ड हॉकी मैगज़ीन के एक अंक में लिखा था, ध्यान के पास कभी भी तेज़ गति नहीं थी बल्कि वो धीमा ही दौड़ते थे. लेकिन उनके पास गैप को पहचानने की गज़ब की क्षमता थी। डी में घुसने के बाद वो इतनी तेज़ी और ताकत से शॉट लगाते थे कि दुनिया के बेहतरीन से बेहतरीन गोलकीपर के लिए भी कोई मौका नहीं रहता था।

अपने शानदार खेल से ध्यानचंद विपक्षी टीम की रक्षापंक्ति को छिन्न-भिन्न कर देते थे और दर्शकों को अपने बेहतरीन खेल से मंत्रमुग्ध कर देते थे। इस पर विरोधी टीम अक्सर का सेंटर-हाफ में अपना संतुलन खो बैठती थी। मुझे ध्यानचंद के बेटे अशोक का इंटरव्यू करने का सौभाग्य मिला है। ओलंपिक चैंपियन ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद ने मुझे एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि ध्यानचंद ड्रिब्लिंग के उशताद थे लेकिन उनकी असली प्रतिभा उनके दिमाग़ में थी। वो उस ढ़ंग से हॉकी के मैदान को देख सकते थे जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। उनको बिना देखे ही पता होता था कि मैदान के किस हिस्से में उनकी टीम के खिलाड़ी और प्रतिद्वंदी मूव कर रहे है।

1947 के पूर्वी अफ्रीका के दौरे के दौरान उन्होंने केडी सिंह बाबू को गेंद पास करने के बाद अपने ही गोल की तरफ़ अपना मुंह मोड़ लिया और बाबू की तरफ़ देखा तक नहीं। जब उनसे बाद में उनकी इस अजीब सी हरकत का कारण पूछा गया तो उनका जवाब था, अगर उस पास पर भी बाबू गोल नहीं मार पाते तो उन्हें मेरी टीम में रहने का कोई हक़ नहीं था। ध्यानचंद ने कई यादगार मैच खेले लेकिन 1933 में कलकत्ता कस्टम्स और झांसी हीरोज के बीच खेला गया बिगटन क्लब फाइनल उनका सबसे ज्यादा पसंदीदा मुकाबला था। 1932 के ओलिंपिक फाइनल में भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 24-1 से हराया था। उस मैच में ध्यानचंद ने 8 गोल किए थे। उनके भाई रूप सिंह ने 10 गोल किए थे। उस टूर्नमेंट में भारत की ओर से किए गए 35 गोलों में से 25 ध्यानचंद और उनके भाई ने किए थे। 1925 में उन्होंने अपना पहला राष्ट्रीय मैच खेला और उस मैच के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए चुना गया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच में गोलों की हैट्रिक लगाई थी। दिसंबर 1934 में ध्यान चंद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। वर्ष 1935 में क्रिकेट के महान खिलाड़ी डॉन ब्रैडमैन ने अपना पहला हॉकी मैच देखा जिसमें ध्यान चंद खेल रहे थे। वह उनके प्रदर्शन से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ध्यानचंद की प्रशंसा करते हुए कहा, "आप क्रिकेट में रन बनाने जैसे लक्ष्यों की भांति गोल करते हैं। "ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने 1935 में एडिलेड में एक हॉकी मैच देखने के बाद कहा था, "ध्यानचंद ऐसे गोल करते हैं जैसे क्रिकेट में रन बनता है। " ब्रैडमैन हॉकी के जादूगर से उम्र में तीन साल छोटे थे। ध्यानचंद कितने जबर्दश्त खिलाड़ी थे वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी एक मूर्ति लगाई गई है जिसमें उनके चार हाथ और उनमें चार स्टिकें दिखाई गई हैं, मानो कि वो कोई देवता हों।

3 मई सन् 1926 ई. को न्यूजीलैंड में पहला मैच खेला था। न्यूजीलैंड में 21 मैच खेले जिनमें 3 टेस्ट मैच भी थे। इन 21 मैचों में से 18 जीते, 2 मैच अनिर्णीत रहे और और एक में हारे। पूरे मैचों में इन्होंने 192 गोल बनाए। उन पर कुल 24 गोल ही हुए। अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 500 से अधिक गोल किए। अप्रैल, 1949 ई. को प्रथम कोटि की हाकी से संन्यास ले लिया। तीन बार ओलम्पिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे ध्यानचंद की जन्मतिथि को भारत में "राष्ट्रीय खेल दिवस" के के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

करंट लगने से किसान की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। थाना इगलास इलाके गांव अनुपिया में घर में करंट लगने से एक किसान झुलस गया। परिजन आनन-फानन में उसको अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। घटना से ग्रामीणों में खलबली मच गई। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई। शव कब्जे में लेकर बुधवार की शाम करीब 6 बजे मोर्चरी भेज दिया। हादसे में 5 बच्चे अनाथ हो गए। परिवार में कोहराम मच गया। इगलास थाना इलाके के गांव अनुपिया के रहने वाले 45 वर्षीय हर किशन उर्फ गुन्ना किसान थे। खेतीबाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। 27 अगश्त की दोपहर घर मे बिजली का तार जोड़ रहे थे। तभी करंट लगने से झुलस गए। शोर सुनकर परिजन और ग्रामीण भारी संख्या में इकट्ठा हो गए। बिजली का तार हटाकर हर किशन को अलग लिया। परिजन आनन-फानन में अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उनको मृत घोषित कर दिया। कन्ट्रोल रूम की सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई। पंचायतनामा की कार्रवाई कर शव बुधवार की शाम 6 बजे तक मोर्चरी भेज दिया।

वामा सारथी के तत्वाधान में कैंसर जागरुकता प्रोग्राम का किया गया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। गुरूवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार कक्ष में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में कैंसर जागरुकता प्रोग्राम (ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम) का आयोजन किया गया। जिसमें मैक्स हॉस्पिटल वैशाली की कैंसर विशेषज्ञा डॉक्टर तृप्ति सक्सैना मैक्स हॉस्पिटल वैशाली डॉ ०वीना माहेश्वरी (मेडिकल कॉलेज), डॉ० राज भारती(अध्यक्ष ह्यूमिनिटी इंडिया ट्रस्ट) तथा उनकी टीम द्वारा पुलिस कर्मियों तथा पुलिस परिवार के लोगों को जागरूक किया गया उन्होंने कैंसर के कारणों लक्षणों तथा था उपचार के बारे में जानकारी दी। साथ ही महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर यूट्रस कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान प्रतिक्षार निरीक्षक अनुभव कुमार त्रिपाठी, वामा सारथी प्रभारी सर्वेश कुमार, परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी शिखा त्यागी और अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थिति रहे।

महिला आरक्षी मोनिका शर्मा का हुआ आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। गुरूवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा आरक्षी से मुख्य आरक्षी के पद पर प्रोन्नत होने पर मोनिका को रैंक चिह्न लगाकर बधाई दी, एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। विदित है कि महाराष्ट्र के नागपुर में गत वर्ष 26 फरवरी से 02 मार्च के बीच हुई 72 वी अखिल भारतीय नेशनल गैम्स चौंपियनशिप के सेपक टकरा (किक वॉलीबॉल) खेल में महिला आरक्षी को कास्य पदक मिला था, महिला आरक्षी द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम से प्रतिभाग किया गया था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शासन की और से आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है।

नशीले पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गौण्डा पुलिस टीम द्वारा कोढा नहर पुल नहर की पटरी से करीब 100 मीटर आगे अभियुक्त नदीम पुत्र हनीफ निवासी जीवनगढ गली नं0-01 12 बीघा थाना क्वार्सी जनपद हाल पता वकील उद्दीन उर्फ मुल्ला जी का मकान रजानगर गमले वाली गली के सामने थाना क्वार्सी को 20 किलो 700 ग्राम मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया।

झालू में महिला की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने जताई शंका

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। नगल क्षेत्र में बीती रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से सनसनी फैल गई। मायके पक्ष ने घटना पर शंका जताते हुए पुलिस से पोस्टमार्टम की मांग की। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम राजपुर नवादा थाना मंडावली निवासी ललिता देवी (28 वर्ष) पुत्री मंगत सिंह की बेटी की शादी आठ वर्ष पूर्व झालू निवासी फूलसिंह पुत्र कलवा सिंह निवासी मोहल्ला मिरदगान झालू में हुई थी। ससुर कलवा सिंह ने बताया कि ललिता लंबे समय से बीमार चल रही थी और शुक्रवार रात करीब बारह बजे अचानक उसकी मौत हो गई। मृतका की एक छः वर्षीय पुत्री है, पब्लिक स्कूल में कक्षा एक में पढ़ाई कर रही है। वहीं पति फूलसिंह अहमदाबाद की एक फैक्ट्री में नौकरी करता है। मृतका के भाई गौतम पुत्र मंगत सिंह ने अपनी बहन की मौत पर संदिग्ध हालात का हवाला देते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

शराब पीने के दौरान युवक को मारा चाकू, मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बंन्नादेवी इलाके के बरौला पुल के नीचे शराब पीने के दौरान दो युवकों में किसी बात पर विवाद हो गया। एक युवक ने दूसरे पर चाकू से वार कर घायल कर दिया। गम्भीर हालत में घायल को निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल में परिजनों और पुलिस में कहासुनी हो गई। मामला शांत करवाकर पुलिस ने बुधवार की रात शव मोर्चरी भिजवा दिया। तो वहीं पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

बन्नादेवी इलाके की काशीराम कॉलोनी में रहने वाले राजू खैर रोड स्थित जलालपुर पुलिस चौकी के पास मोची का काम करते हैं। उनका 30 वर्षीय बेटा राजेश भी उनके साथ यही काम करता है। बुधवार की शाम मां को दवा दिलाकर घर आया। इसके बाद मार्केट से खाना लेने चला गया। उधर, पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक को बरौला पुल के नीचे उसके साथी ने चाकू मार दिया है। सूचना पर सीओ कमलेश कुमार और थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल राजेश को सारसौल चौराहा स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होने पर राजेश के परिजन अस्पताल आ गए। उन्होंने हंगामा कर दिया। पुलिस शव कब्जे में लेकर जिला अस्पताल आ गई। परिजन भी पीछे पीछे आ गए। यहां पुलिस से परिजनों को कहासुनी हो गई।

उन्होंने हंगामा कर दिया। काफी देर के समझाने के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने रात 8 बजे तक शव मोर्चरी भेज दिया।

सीओ कमलेश कुमार ने बताया कि राजेश नाम का व्यक्ति बरौला पुल के नीचे अपने साथी के साथ शराब पी रहा था। दोनों के बीच कुछ कहासुनी हुई। साथी ने राजेश पर चाकू से वार कर दिया। जोकि इसके थाइस (जांघ) पर लग गया।

उसके बड़ा कट लग गया। अस्पताल में उसको मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस की 3 टीम लगाई हैं। शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी। आरोपी की अभी पहचान नही हो पाई है।

अभियान चलाया पॉच बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष किया प्रस्तुत

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। भिक्षावृत्ति उन्मूलन एवं रोकथाम अभियान तथा बालश्रम रोकथाम अभियान के अनुपालन हेतु जनपद शतर पर चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत गुरूवार को अपर पुलिस महानिदेशक महिला व बाल सुरक्षा संगठन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक अपराध के निर्देशन में थाना ए0एच0टी0 अलीगढ से प्रभारी निरीक्षक सरिता द्विवेदी द्वारा ए0एच0टी0 टीम हैड कास्टैबल सुनील कुमार, कास्टैबल सचिन कुमार, महिला कास्टैबल अंजली, महिला कास्टैबल रश्मि भगौर के जनपद अलीगढ के सूतमिल, सारसौल, बरौला, त्रिमूर्तिनगर, चांदमारी, नादापुल, जलालपुर आदि स्थानो पर भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान एवं बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया। इस दौरान त्रिमूर्तिनगर सुरक्षाविहार से बालक बादल पुत्र देवा निवासी झुग्गी झोपडी बरोला बाईपास थाना बन्नादेवी जनपद अलीगढ उम्र करीब 12 वर्ष, शाहजहां पुत्र देवा निवासी उपरोक्त उम्र करीब 09 वर्ष, दीवाना पुत्र देवा निवासी उपरोक्त उम्र करीब 03 वर्ष बालिका, करीना पुत्री देवा निवासी उपरोक्त उम्र करीब 10 वर्ष बालिका व लाजो पुत्री निरंजन निवासी उपरोक्त उम्र करीब 09 वर्ष को भीख मांगते हुए पाया गया।

टेन में महिला यात्री ने बेटे को दिया जन्म

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

महाबोधी एक्सप्रेस टेन के जनपरल कोच में यात्रा कर रही एक महिला ने टूण्डला रेलवे स्टेशन पर एक बेटे को जन्म दिया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतार लिया।

जिसे बाद में स्वास्थ्य हेतु अलीगढ़ के मोहला गौतम अस्पताल भेजा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला यात्री सुमित्रा देवी पत्नी राजीव निवासी गांव सहदेव थाना इनवर सिटी जिला गया। जो गया से महाबोधी एक्सप्रेस द्वारा अलीगढ आ रही थी। तभी उसे टूंडला के पास प्रसवा पीडा हुई तभी उसने स्वस्थ्य बेटे को जन्म दिया।

सूचना पर एएसआई रनवीर सिंह, हैड कांस्टेबल श्रीनिवास शर्मा, एलसीटी शबनम, टीटीई प्रशांत, विमल व रेलवे डॉक्टर मंसूर अहमद के साथ कोच में पहुंचे।

वहां 20 वर्षीय सुमित्रा देवी पत्नी राजीव निवासी गांव सहदेव थाना इनवर सिटी को अटेंड किया गया। बाद में डॉक्टर द्वारा उक्त महिला तथा उसके पति राजीव अनुरोध पर कोच से उतारकर महिला को बच्चे समेत अलीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर उतार लिया।

महिला व शिशु को उसके पति की मौजूदगी में महिला कांस्टेबल शबनम द्वारा जिला अस्पताल मोहन लाल में भर्ती कराकर पति व देवरानी कराया है। डॉक्टर ने बताया कि महिला एवं नवजात शिशु दोनों स्वस्थ हैं।

रेलवे स्टेशन से चोरी बच्चा एक सप्ताह बाद बरामद

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक सप्ताह पूर्व अपनी मां के साथ सो रहे चोरी हुए डेढ़ साल का बच्चे को आरपीएफ और जीआरपी पुलिस थाना चंदौसी क्षेत्रान्तर्गत कैथल चौराहा से जिला सम्भल से आरोपी सहित बरामद कर लिया।बुलंदशहर के डिबाई के गांव इठावरी निवासी जयप्रकाश मेहनत मजदूरी करते हैं। चार साल पहले वह गुजरात में रहकर काम करने लगा और वहीं उसने राखी नामक युवती से प्रेम विवाह कर लिया था। जिसके बाद वह राखी को लेकर डिबाई आ गया और यहीं अपने गांव में रहने लगा।

20 अगश्त को राखी अपने डेढ़ साल के बेटे विष्णु को लेकर रिश्तेदारी में दिल्ली गई थी और 21 अगश्त को लौटी थी। सुबह 5 बजे वह अलीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर डिबाई की ओर जाने वाली बरेली पैसेंजर के इंतजार में वह सेंटर प्वाइंट साइड सीढ़ियों के नजदीक अपने बेटे को लेकर सो रही थी। इसी दौरान उसके सोने का फायदा उठाते हुए वहां मौजूद एक व्यक्ति बच्चे को उठाकर ले गया। जब महिला की नींद खुली तो बच्चा वहां पर नहीं था। बच्चा चोरी होने के बाद महिला उसे ढूंढ़ने लगी, लेकिन उसे हिंदी कम आती है और वह गुजराती बोल रही थी। जिसके कारण लोग उसकी भाषा समझ नहीं पा रहे थे। वह सीधे बुलंदशहर अपनी ससुराल पहुंची और परिवार को सारे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद परिवार के लोगों ने 22 अगश्त जिसके बाद परिवार के लोगों ने अलीगढ़ जीआरपी में आकर शिकायत की। लेकिन पुलिस ने एक सप्ताह बाद 27 अगश्त को मुदकमा लिखा। सूचना मिलने के बाद स्टेशन पर हड़कंप मच गया। जीआरपी और आरपीएफ दोनों एक्टिव हो गई।

अलीगढ़ जंक्शन आरपी क्राइम विंग प्रभारी प्रभात चौधरी और जाआरपी थाना प्रभारी संदीप तोमर ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए, जिसमें एक आरोपी बच्चे को लेकर जाता हुआ नजर आ रहा है। जिसके बाद बच्चे को खोजने के लिए जीआरपी और आरपीएफ की 6 टीमें बनाई गई। टीम ने अलीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन और नगर निगम के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज चैक किये। शहर के अलग-अलग जगहों हरदुआगंज रेलवे स्टेशन, चंदौसी रेलवे स्टेशन, नमामी मेडीकल स्टोर कैथल जिला सम्भल, बरई चौराहा पर आटा मिल कैथल की दुकानों पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाले।

एएमयू में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के एप्लाइड केमिस्ट्री विभाग द्वारा विद्यार्थियों को अनुशासन, गरिमा और आपसी सम्मान के मूल्यों के प्रति जागरूक करने के लिए एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. रईस अहमद के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि रैगिंग किसी भी रूप में एक दंडनीय अपराध है। उन्होंने छात्रों से एएमयू की सुरक्षित और सहयोगी अकादमिक परंपरा को बनाए रखने की अपील की।

कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. शाहाबुद्दीन ने कहा कि छात्रों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे सद्भाव, समावेशन और परामर्श की भावना को बढ़ावा दें। डॉ. यासिर अजीम ने सीनियर छात्रों की भूमिका को मार्गदर्शक के रूप में रेखांकित करते हुए रैगिंग से जुड़े नियमों और दंडों की जानकारी दी। डॉ. मुशीर अहमद ने यूजीसी और एएमयू द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों को स्पष्ट करते हुए छात्रों को कानूनी और अनुशासनात्मक ढांचे की जानकारी दी।

सत्र का संचालन डॉ. मोहम्मद अरसलान ने किया। उन्होंने कहा कि एंटी-रैगिंग जागरूकता न केवल अकादमिक बल्कि व्यक्तिगत विकास के लिए भी आवश्यक है, जो आत्मविश्वास, आपसी विश्वास और स्वस्थ शिक्षक-छात्र संबंधों को प्रोत्साहित करती है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. मुसर्रत ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और छात्रों व शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। छात्रों को भाईचारे, मार्गदर्शन और सम्मान की भावना से युक्त वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया गया, जो विश्वविद्यालय की समावेशिता और उत्कृष्टता की भावना से मेल खाता है। एएमयू के शैक्षणिक माहौल में रैगिंग के लिए कोई स्थान नहीं है।

थोक दवा विक्रेताओं द्वारा फुटकर बिक्री पर होगी सख्त कार्रवाई : औषधि निरीक्षक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला अलीगढ़ कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (रजि०) के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह टिल्लू द्वारा औषधि निरीक्षक दीपक लोधी को सूचना दी गई कि फफाला थोक दवा बाजार में कुछ थोक दवा व्यापारियों द्वारा सीधे मरीजों को फुटकर दवा बेची जा रही है।

दीपक लोधी ने बताया है कि यह कृत्य औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 में निहित थोक औषधि विक्रय लाइसेंस की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। औषधि विभाग द्वारा इस संबंध में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यदि जांच में किसी भी थोक दवा व्यापारी को फुटकर में दवा बिक्री करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। औषधि विभाग ने समश्त थोक दवा विक्रेताओं को सचेत करते हुए कहा है कि वे केवल निर्धारित शर्तों के अनुसार ही औषधियों का विक्रय करें। लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन करने वाले का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व स्वयं सम्बंधित विक्रेता का होगा।।

श्री खेरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में विराट मेला देवछठ-2025 का आयोजन आज से

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

खैर रोड स्थित पर्यटन स्थल श्री खेरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में विराट मेला देवछठ-2025 का आयोजन श्री खेरेश्वर महादेव व दाऊजी महाराज समिति द्वारा 29 अगश्त 2025 से 7 सितंबर 2025 तक होने जा रहा है। विराट मेले में 4 सितंबर 2025, शाम 4 बजे से 3 दिवसीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा।

खेल महोत्सव आयोजन समिति के प्रभारी लतेश चौधरी ने बताया कि सिद्धपीठ श्री खेरेश्वर धाम मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले मेले में तीन दिवसीय कुश्ती दंगल का आयोजन 4,5,6 सितंबर 2025 को प्रतिदिन शाम चार बजे से प्रारंभ होकर मध्य रात्रि तक चलेगा।

जिसमें प्रतिदिन प्रशासनिक अधिकारी एवं जनता द्वारा चुने गए सम्मानित प्रतिनिधियों द्वारा पहलवानों के हाथ मिलाकर कुश्ती प्रारंभ की जाएगी। कुश्ती प्रतियोगिता में आसपास के क्षेत्र के सभी अखाड़ों को निमंत्रण भेजा जा चुका है,जिसमें मुख्य रूप से हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के विभिन्न अखाड़ों के पहलवान आ रहे हैं। कुश्ती दंगल संयोजक कंछी पहलवान ने बताया कि इस वर्ष खुला कुश्ती दंगल होगा जिसमें कांटा कुश्ती मुख्य रहेगी। महिला पहलवानों को भी बुलाया गया है। कुश्ती दंगल प्रभारी लतेश चौधरी ने बताया कि 6 सितंबर 2025 के विजेता पहलवान को खेरेश्वर धाम केसरी से सम्मानित किया जाएगा।

खेल महोत्सव आयोजन समिति के उप प्रभारी नितेश उपाध्याय, ऋषि शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष गेहराज सिंह, महामंत्री ऋषि ओम शर्मा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान, जितेंद्र चौधरी, मुख्य सलाहकार पंकज धीरज, गौरव अग्रवाल राधे, नीलेश उपाध्याय, राजकुमार चौधरी, जितेंद्र चौधरी, प्रहलाद गिरी आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

सरसों के लिए उपयुक्त है एन.पी.के.एस. 20 :20 :0 :13 उर्वरक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने किसान भाइयों को अवगत कराया है कि सरसों एन0पी0के0एस0 20:20:0:13 उर्वरक सरसों फसल के लिए अधिक उपयोगी है। क्यों कि इसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं सल्फर तीनों होतो है जो पौधे के समग्र स्वास्थ्य जडों के विकास और अच्छी उपज के लिए महत्वपूर्ण है साथ ही यह सरसों फसल में तेल की मात्रा को भी बढ़ाता है।

यह एक अमोनियम फास्फेट सल्फेट उर्वरक है जो नाइट्रोजन, फास्फोरस और सल्फर को एक साथ प्रदान करता है। इस उर्वरक में सल्फर सरसों के पौधों के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो क्लोरोफिल के निर्माण और अमीनो ऐसिड के उत्पादन में मदद करता है, जिससे पौधे का स्वास्थ्य बहतर होता है। सल्फर की उपस्थिति से सरसों की उपज में वृद्धि होती है और तेल की गुणवत्ता में सुधार आता है। फास्फोरस जडों के विकास को बढ़ावा देता है जो पौधे को सहारा देने और पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद करता है।

17 साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा, 3 आरोपियों को दो-दो साल की कैद

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर संचालित विशेष अभियान 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में थाना बिसरख पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन इकाई की मजबूत पैरवी के चलते 17 साल पुराने एक मामले में न्यायालय ने कठोर निर्णय सुनाया है।

थाना बिसरख क्षेत्र में 2008 में दर्ज एक वन्य जीव संरक्षण अधिनियम से जुड़ा मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। इस प्रकरण में तीन व्यक्तियों, धनपत पुत्र पीतमनाथ, वीरपाल पुत्र मुन्शीनाथ और कन्हैयानाथ पुत्र नानकनाथ, सभी निवासी ग्राम इटैड़ा थाना बिसरख, पर आरोप था कि उन्होंने अवैध रूप से सांपों को बंधक बना रखा था। यह कृत्य वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का गंभीर उल्लंघन है, जिसके तहत वन्य प्राणियों को बंधक बनाना या उनका अवैध शोषण पूरी तरह प्रतिबंधित है।

पुलिस की सतर्कता और अभियोजन की प्रभावी दलीलों के बाद न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया। न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए धनपत, वीरपाल और कन्हैयानाथ को दो-दो वर्ष के कारावास की सजा के साथ दस-दस हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। इसके अतिरिक्त यदि अर्थदंड की राशि जमा नहीं की जाती है तो प्रत्येक आरोपी को 15-15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने कहा है कि इस फैसले से स्पष्ट संदेश जाता है कि वन्य जीवों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध रूप से वन्य जीवों को बंधक बनाने, उनका शिकार करने या उनके व्यापार से जुड़े लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान का मकसद केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि अदालतों में प्रभावी पैरवी कर उन्हें सजा दिलाना भी है, ताकि समाज में अपराध के प्रति भय और कानून के प्रति सम्मान की भावना बनी रहे।

गौरतलब है कि हाल के वर्षों में गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा विभिन्न अपराधों से जुड़े कई पुराने मामलों में दोषसिद्धि कराकर अपराधियों को सजा दिलाई गई है।

दहेज में थार और 10 लाख मिलने पर पीट-पीट कर घर से निकालने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

खोड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक विवाहिता द्वारा दहेज में 10 लाख रुपये व थार गाड़ी की मांग पूरी न किए जाने पर ससुराल पक्ष ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया।

आरोप है कि आरोपितों ने ओवरटेक कर पीड़िता व उनके स्वजन को रोककर उनकी कार में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट भी की। मामले में पीड़िता ने पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। खोड़ा के लोकप्रिय विहार की रहने वाली मंतशा का कहना है कि उनकी शादी अक्टूबर 2021 में ओखला के आबिद से हुई थी।

शादी में उनके पिता ने ससुराल पक्ष की मांग के अनुसार सभी दान-दहेज दिया था लेकिन ससुराल वाले इससे खुश नहीं थे और दहेज में 10 लाख रुपये व थार कार लाने की मांग करते थे। इसको लेकर उनका उत्पीड़न किया जाने लगा और आये दिन मारपीट की जाने लगी। उरपर कई तरह के आरोप भी लगाए गए। आरोप है कि स्वजन उन्हें ससुराल लेने पहुंचे और वह मायके वालों के साथ ससुराल से रवाना हुई तो राश्ते में पति व अन्य ने कार को ओवरटेक कर रोक लिया और सभी ने कार में तोड़फोड़ करते मारपीट की। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

रिटायरमेंट की अफवाहों को खारिज किया

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप:

अजीत नारायण ने देश के लिए जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष वेटलिफ्टर अजीत नारायण ने पुरुषों के 71 किलोग्राम भारवर्ग में देश के लिए गोल्ड मेडल जीता तो वहीं निरुपमा देवी सेराम ने महिलाओं की 63 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

26 साल के अजीत ने कुल 317 किलोग्राम (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर टॉप पोजीशन हासिल किया और इस दौरान नए रिकॉर्ड भी बनाए। अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में निरुपमा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए कुल 217 किग्रा (91 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

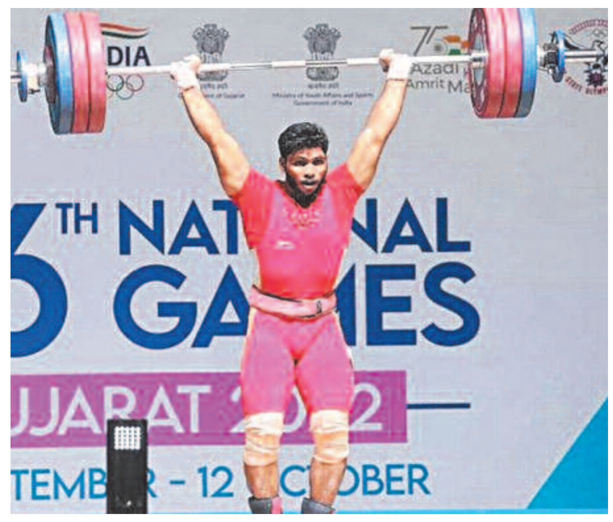

चौबीस वर्षीय निरुपमा के क्लीन एवं जर्क प्रदर्शन ने पिछले राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कनाडा की माउड चारोन ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि कांस्य पदक नाइजीरिया की रूथ इमोलेयो अयोडेले के नाम रहा।

भारत ने जूनियर वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 71 किग्रा पुरुष तथा 63 किग्रा महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हेमंत दोइमारी (पुरुष) और बिदुस्मिता भोई (महिला) ने चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में 18 वर्षीय हेमंत ने 264 किग्रा (118 किग्रा स्नैच और 146 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण अफ्रीका के जोनाथन इवान ट्रम्बल ने 262 किग्रा (112 किग्रा स्नैच और 150 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन के साथ रजत जबकि श्रीलंका के ओडिथा थारुपथी नारायणगे ने 206 किग्रा (95 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के जूनियर 63 किग्रा में 20 वर्षीय बिदुस्मिता ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए 204 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 115 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

वनडे वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना : मो.शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने अपनी रिटायरमेंट की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। 34 साल के शमी ने साफ कहा कि जब तक उनमें खेल के प्रति जुनून और प्रेरणा बनी रहेगी, वह मैदान पर डटे रहेंगे। शमी को इंग्लैंड में एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी और 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। शमी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में शमी ने रिटायरमेंट की अफवाहों पर तीखा जवाब देते हुए कहा,अगर किसी को मुझसे दिक्कत है, तो सामने आकर बताए। मेरे रिटायर होने से किसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी? मैं किसी की जिंदगी में पत्थर क्यों बनूं कि तुम्हें मुझसे रिटायरमेंट चाहिए? जिस दिन मुझे बोरियत होगी, मैं खुद मैदान छोड़ दूंगा। आप मुझे न चुनें, न खिलाएं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं मेहनत करता रहूंगा। घरेलू क्रिकेट में भी खेलने को तैयार शमी ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका न मिले, तो वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं चुनते, तो मैं घरेलू क्रिकेट खेलूंगा। मैं कहीं न कहीं खेलता रहूंगा। रिटायरमेंट जैसा फैसला तब लिया जाता है, जब आपको लगे कि आप बोर हो गए हैं, जब आप सुबह 7 बजे टेस्ट मैच के लिए उठना नहीं चाहते। लेकिन मेरे लिए अभी वह वक्त नहीं आया। आप चाहें तो मैं सुबह 5 बजे भी उठकर तैयार हो जाऊंगा। ओडीआई वर्ल्ड कप जीतने का अधूरा सपना शमी ने बताया कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य वनडे वर्ल्ड कप जीतना है, जो उनका एकमात्र अधूरा सपना है। 2023 वर्ल्ड कप में भारत के फाइनल तक पहुंचने की याद ताजा करते हुए उन्होंने कहा,मेरा एक ही सपना बाकी है, वह है वनडे वर्ल्ड कप जीतना। 2023 में हम बहुत करीब थे। हमें भरोसा था, लेकिन नॉकआउट स्टेज में डर भी था। फैंस का उत्साह और समर्थन हमें प्रेरित करता था। शायद उस वक्त मेरी किस्मत में नहीं था, लेकिन मैं 2027 में वहां होना चाहता हूं।

पूर्व चयनकर्ता ने दिया बयान

भारत के 2026 टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक तरह एशिया कप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 विश्व कप में भारत के खिताब संभावनाओं पर संदेह जताया है। श्रीकांत का मानना है कि इस टीम के साथ भारत 2026 का विश्व कप नहीं जीत पाएगा। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं, लेकिन टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। क्या आप इस टीम को विश्व कप में ले जाएंगे? क्या यह टी20 विश्व कप की तैयारी है जो मुश्किल से छह महीने दूर है? टीम में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय शुभमन गिल की उप-कप्तान के तौर पर वापसी थी जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2-2 से ड्रॉ हुई सीरीज के बाद हुई। गिल ने आखिरी बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था। वहीं जनवरी में इंग्लैंड के साथ द्विपक्षीय सीरीज के दौरान अक्षर पटेल उप-कप्तान थे लेकिन अब उन्हें इस पद से हटा दिया गया है जो पूर्व चयनकर्ता अच्छा नहीं लगा। उन्होंने रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वे पीछे चले गए हैं। अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा कैसे टीम में आ गए। को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है, लेकिन लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने भारत के लिए 5वें नंबर के बल्लेबाज पर भी प्रश्न किया। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने दुबे को कैसे चुना। यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह क्या करते हैं।

यूएस ओपन: रैकेट तोड़ा...अंपायर से भिड़े, मेदवेदेव पर लगा लाखों रुपये का जुर्माना

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मेदवेदेव के करियर में यह पहली बार नहीं है जब उनका गुस्सा कोर्ट पर सुर्खियां बना हो। पूर्व नंबर-एक खिलाड़ी होने के बावजूद उनकी छवि कई बार अनुशासनहीनता और विवादित बर्ताव के कारण सवालों के घेरे में रही है। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नंबर-एक दानिल मेदवेदेव अमेरिकी ओपन 2025 के पहले दौर में हार के साथ ही विवादों में घिर गए। मैच के दौरान कोर्ट पर खेल भावना के विपरीत आचरण और गुस्से में रैकेट तोड़ने के कारण उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने मेदवेदेव पर कुल 42,500 डॉलर (35.7 लाख रुपये) का दंड ठोका, जो उनकी मैच फीस 1,10,000 डॉलर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

गुस्से की वजह-कोर्ट पर फोटोग्राफर की मौजूदगी: घटना उस समय हुई जब मेदवेदेव अपने प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी के खिलाफ तीसरे सेट में खेल रहे थे।

बोंजी 5-4 की बढ़त पर थे तभी अचानक एक फोटोग्राफर कोर्ट के किनारे पर चलने लगा, जिससे मेदवेदेव का ध्यान भटक गया। मेदवेदेव ने तुरंत चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ से शिकायत की, लेकिन अंपायर ने फोटोग्राफर को हटाने के बाद बोंजी को फिर से पहली सर्विस की अनुमति दे दी। इसी फैसले से मेदवेदेव भड़क उठे और उन्होंने कोर्ट पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

फोटोग्राफर की मान्यता रद्द: इस घटना के बाद चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने का आदेश दिया और उसकी मान्यता भी रद्द कर दी गई। बावजूद इसके, मेदवेदेव का गुस्सा कम नहीं हुआ और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अपना रैकेट तोड़कर नाराजगी जाहिर की।

जुर्माने का ब्योरा: टूर्नामेंट रैफरी ने मेदवेदेव के खिलाफ दो अलग-अलग उल्लंघन दर्ज किए। 30,000 डॉलर खेल भावना के विपरीत आचरण पर और 12,500 डॉलर रैकेट तोड़ने की हरकत पर। इस तरह कुल मिलाकर उन पर 42,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया।

गत चैंपियन आर्यना सबालेंका तीसरे दौरे में पहुंची

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन के तीसरे दौरे में जगह बना ली है। सबालेंका ने पोलिना कुडेरमेतोवा को हराकर तीसरे दौरे में जगह बनाई। सबालेंका ने दूसरे दौर के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त पोलिना कुडेरमेतोवा को 7-6(4), 6-2 से हराया। पहले सेट में जीत के लिए सबालेंका को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन दूसरा सेट उन्होंने आसानी से जीता। दूसरे सेट में पोलिना कुडेरमेतोवा ने घुटने की चोट के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका अगर फाइनल में पहुंचती हैं और खिताब जीतने में सफल रहती हैं, तो सेरेना विलियम्स के बाद दूसरी खिलाड़ी बनेंगी। सेरेना ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता था। सबालेंका का अगला मुकाबला 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एल्सा जैक्केमोट को 6-2, 3-6, 6-2 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में दूसरे दौर के मुकाबले में गैर-वरीयता प्राप्त अमेरिकी इवा जोविक को 6-3, 6-3 से हराया।

पीकेएल 2025: प्रो कबड्डी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में तूफानी शतक ठोकने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब प्रो कबड्डी में एंट्री करने जा रहे हैं. 14 साल के इस खिलाड़ी ने IPL 2025 के बाद इंग्लैंड में अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाया और इंग्लिश गेंदबाजों की खूब पिटाई की. अब उन्हें प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में बुलाया गया है. जो बड़े कमाल की बात है. प्रो कबड्डी लीग 2025 की शुरुआत विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नेशनल स्पोर्ट्स डे के मौके पर 29 अगस्त से होने जा रही है. इसका आगाज अंडर-19 टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी करेंगे. इस दौरान कई खेलों के पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे.

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आगाज बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, कबड्डी सुपरस्टार प्रदीप नरवाल और टीम इंडिया के अंडर-19 टीम के ओपनर वैभव सूर्यवंशी करेंगे. वैभव सूर्यवंशी ने इस पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि नेशनल स्पोर्ट्स डे मुझे याद दिलाता है कि कैसे खेल सभी को एक साथ लाते हैं. खेल आपको टीम वर्क, अनुशासन सिखाता है. मैं राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर अपने को भाग्यशाली मानता हूं. मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे और भी बच्चे खेलना शुरू करेंगे और खुद पर विश्वास करेंगे.

फुजैराह ग्लोबल शतरंज:

विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव नें शीर्ष वरीय निहाल को हराया

फुजैराह ,संयुक्त अरब अमीरात, एजेंसी। में चल रहे पहले फुजैराह टूर्नामेंट का आगाज़ सनसनीखेज़ अंदाज़ में हुआ। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन भारत के प्रणव वेंकटेश ने शीर्ष वरीय और हाल ही में एशियन 2025 के रजत पदक विजेता हमवतन निहाल सारिन को मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की।

काले मोहरो से खेल रहे निहाल सिसिलियन ओपनिंग में खेल के मध्य में लगातार दबाव झेलते रहे, जगह की कमी के कारण उनके मोहरो को खेल में सक्रिय होने में ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और ऐसे में खेल की 29वीं चाल में उनका ऊंट प्रणव के राजा की ओर फँस गया और बाजी उनके हाथ से निकलने लगी हालांकि खेल की 45वीं चाल में प्रणव की एक गलत चाल से निहाल को वापसी का मौका मिला पर वह इसे भुना नहीं पाये और 71 चाल तक चले मुक़ाबले के बाद वह बाजी हार गए ।

2700 रेटिंग के बेहद करीब निहाल के लिए यह हार बड़ा झटका है और खेल के बाद वह बेहद निराश नजर आए , पिछले ही हफ्ते चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में निहाल नें प्रणव को पराजित किया था और इस तरह प्रणव नें अपनी हार का हिसाब निहाल से बराबर कर लिया है । सुपर स्टार टूर्नामेंट में कुल दुनिया के चुनिन्दा 44 खिलाड़ी भाग ले रहे है और इसकी औसत रेटिंग 2606 है जो इसे बेहद खास बनाती है और पहले दिन कई उलटफेर देखने को मिले , दूसरे वरीय भारत के रौनक साधवानी को फीडे के अलेक्सी ग्रेबनेव नें ड्रॉ पर रोका तो तीसरे वरीय अमीन तबातबाई को रोमानिया के अलेक्ज़ेंडर मोत्यलेव नें पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । भारत के एस एल नारायणन ने अमेरिका के जीएम सैम शेंक्लैंड से बाज़ी ड्रॉ खेली तो भारत के प्रणव आनंद नें मेज़बान यूएई के दिग्गज जीएम सलेम सालेह को रोका।

ग्रांड मास्टर प्रनेश एम ने मैक्सिको के जीएम जोस मार्टिनेज अलकांतारा के साथ अंक बाँटा। वहीं हंगरी के सनन सुज्गिरोव नें हमवतन एडम कोजक को मात देते हुए अपना पहला अंक बनाया । पहले ही दिन उलटफेर का आलम यह रहा की नौवे वरीय सनन अब पहले बोर्ड पर अपनी दूसरे राउंड की बाजी खेलेंगे तो 12 वें वरीय दूसरे बोर्ड पर 18वें वरीय अभिमन्यु मिश्रा तीसरे बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे । मतलब 18 शीर्ष खिलाड़ियो में 15 शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को या तो हार या ड्रॉ के परिणाम ही हासिल हुए , इससे हम इस सुपर स्टार वर्ग की कड़ी प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगा सकते है ।

कुल मिलाकर 44 ग्रांडमास्टर्स के साथ यह टूर्नामेंट 2606 की औसत रेटिंग वाला बेहद मज़बूत आयोजन है। इसमें कुल 1,25,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि रखी गई है, जिसमें सुपरस्टार्स वर्ग के लिए 80,000 डॉलर, मास्टर्स वर्ग (2200-2599) के लिए 30,000 डॉलर और ओपन वर्ग (<2200) के लिए 15,000 डॉलर शामिल हैं। शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः 23,000, 13,000 और 9,000 डॉलर हैं।

पीवी सिंधु की दमदार वापसी, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार 27 अगस्त 2025 की रात मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यि से होगा।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हॉन्गकॉन्ग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधु मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। लेत्शाना के खिलाफ भी पीवी सिंधु को लय हासिल करने में दिक्कत हुई। वह शुरू में मलेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं। पर अंत में वापसी करने में सफल रहीं। लेत्शाना आक्रामक शुरुआत की जिससे सिंधु 1-4 से पीछे हो गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने 'डाउन-द-लाइन स्मैश' और तेज 'नेट प्ले' से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधु की अनिरंतरता को उजागर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं। मलेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं। पर यहीं सिंधु ने वापसी की। उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला। मलेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं।

फिर सिंधु ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर 'गेम पॉइंट' हासिल किया। मैच में पहली बार सिंधु आगे निकलीं। भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया। उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ी को अपनी गति बनाए रखने में मुश्किल हो रही थी जिससे सिंधु 7-3 के बाद 9-5 से आगे हो गईं। हालांकि, बैकलाइन पर सिंधु कुछ गलतियां भी कर बैठीं, पर एक नेट कॉर्ड विनर से वह 10-6 से आगे हो लीं।

इसके बाद पीवी सिंधु पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं। उनके स्मैश में विविधता से मलेशियाई खिलाड़ी परेशान हो गईं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सात मैच पॉइंट हासिल कर लिए और फिर मलेशियाई खिलाड़ी के गलत फोरहैंड से मैच जीत लिया। पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बैककोर्ट से कुछ जबरदस्त स्मैश लगाए।

सात्विक-चिराग और ध्रुव-तनीषा ने भी दिखाया जलवा